सन्दर्भ

व.अ.सं., देहरादून

1. अहमद, एम. और फैजल, एम. (2004): यूप्टीरोटी अंडाटा, ए न्यू पेस्ट ऑफ पावलोनिया, एनल्स ऑफ फोरेस्ट्री, 12(1): 147–148।

2. अहमद, एम. और फैजल, एम. (2004): फर्स्ट रीकार्ड ऑफ यूप्टीरोटी अंडाटा (लीपिडोप्टीरा : यूप्टीरोटिडा) इनफेस्टिंग पॉप्युलस डेल्ट्वाइडस। एनल्स ऑफ फोरेस्ट्री, 12(2): 285–286 ।

3. बिष्ट, एन.एस.; गेरा, मोहित; सुल्तान, जफर और गुसाई, एम.एस. (2004): स्टेट्स ऑफ कलेक्शन कल्टिवेशन एंड मार्केटिंग ऑफ मेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लान्ट्स इन पिथौरागढ़, उत्तराँचल, इंडियन फोरेस्टर, 131(3)।

4. विस्वास, सेस (2004): डीकेड्स ऑफ फोरेस्ट फ्लोरा ऑफ न्यू फॉरेस्ट, देहरादून। वन धरोहर (दी फॉरेस्ट हेरिटेज़) की कार्यवाही में, व.अं.सं. भवन के 75 वर्ष (1929–2004), वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, 39–43।

5. विस्वास, सेस (2004): ग्लिम्पसेस ऑफ थ्रीटेंड वेटलैण्ड बायोडाइवर्सिटी, आई.सी.एफ.आर.ई. न्यूजलैटर। वाल्यू. 4(2):4–5।

6. विस्वास, सेस (2004): इन सिटू कन्जरवेशन– ए मल्टिडिसिप्लिनेरी पार्टिसिपेटरी टास्क। दिल्लो वी.एस. तथा अन्य (सम्पा.) प्लान्ट जेनेटिक रीसोर्स मैनेजमेन्ट, नारोसा पब्लि. हाउस, नई दिल्ली, 205–219 में।

7. विस्वास, सेस (2004): अंडर एक्सलोर्ड मल्टिपरपज ट्री डाइवर्सिटी ऑफ इंडियन फ्लोरा वीद इंफेसिस आन थ्रेट वेल्यू एसेसमेन्ट एंड कंजरवेशन। एपीए. पर्यावरण एंव वन मंत्रालय, भारत सरकार, गोइथ–इन्सटिट्यूट, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में 22 से 25 नवम्बर, 2004 "उष्णकटिबंधी में बहुउददेशीय वृक्ष : मूल्यांकन वृद्धि और प्रबंध" पर यूफरो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (स्मारिका एंव सारांश) में।

8. विस्वास, सेस तथा जैन, एस.एस. (2004): इन्टगरेटेड स्टडीज ऑन फॉरेस्ट एंव वाटर फॉर बायोडाइवर्सिटी मैनेज़मेन्ट। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा 8 से 10 जून, 2004 तक आयोजित वन और जल संरक्षण– काल्पनिकता एंव वास्तविकताएं, विषय पानी और खाद्य सुरक्षा के लिए पोषणीय संसाधन प्रबंध पर राष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यवाही में : 16–17।

9. विस्वास, सेस और अल्पना (2004): इमर्जिंग ट्रेड्स इन क्लोनल टैक्सोनॉमी ऑफ पॉपलर्स इन्ट्रोडयूस्ड इन इंडिया फॉर सर्टिफिकेशन एंड ससटेनेबल यूटिलाइजेशन। 28 नवम्बर से 2 दिसम्बर, 2004 तक सेन्टियागो, चीली में सम्पन्न अन्तर्राष्ट्रीय पॉपलर आयोग के 22 वें सत्र में जिसे संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एंव कृषि संगठन, कमीशन नेशनल डेल एलामो, चीली और कमीशन डेल एलीमो, रीपब्लिका, अर्जेन्टाइना, 8–9।

10. विस्वास, सेस, जैन, एस.एस. और सुमेर चन्द (2004): लेसर नोन रेयर एंड थ्रीटेन्ड ट्री डाइवर्सिटी ऑफ वेट लैण्ड साइट्स ऑफ दून वैली एंड सराउन्डिगस, उत्तराँचल : नीड फॉर कन्जरवेशन। वन अनुसं"ाान, देहरादून द्वारा आयोजित और पर्यावरण एंव वन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित "अल्प ज्ञात वृक्ष प्रजातियों का संरक्षण एंव पोषणीय उपयोग" पर राष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यवाही में (सारांश)।

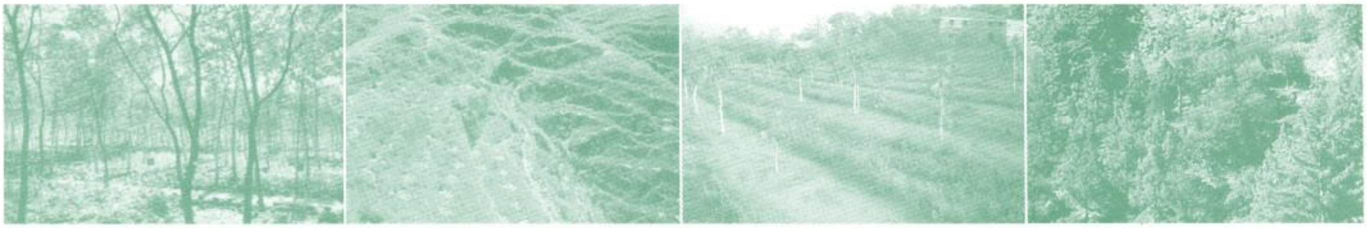

11. चन्द्रा, वीना (2005): थ्रीटेन्ड बायोडाइवर्सिटी ऑफ मेडिसिनल प्लान्ट्स–आई यू सी एन रेड लिस्ट कैटेगरिज, वैरा 3.1 (सारांश) : संकटस्थ वन्य औषधीय पादपों और इनके आवासो के मूल्यांकन, संरक्षण और प्रबंध में उभर रही प्रौद्योगिकियों एंव इनके उपयोग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही। फरवरी 23–24, 2005।

12. चन्द्रा, वीना और सोनी, प्रफुल्ला, (2004): ईथनोबाटनिकल एप्रोच टू इकोरीस्टोरेशन : मानवोद्भवी दबाव और निम्नीकरण के तहत भूमियों की पुनः स्थापना पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही में (सारांश), आई.एफ.पी., रांची ।

13. चन्द्रा, वीना और शर्मा, श्रुती (2004): इथनोबाटनी ऑफ लेसर नोन ट्रोज ऑफ राजस्थान। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित तथा वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा आयोजित "अल्प ज्ञात वृक्ष प्रजातियों का संरक्षण एंव पोषणीय उपयोग" पर राष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यवाहियों में (सारांश): 30।

14. दयाल, आर. (2004): फाइटोकैमेस्ट्री ऑफ सम यूजफुल फॉरेस्ट प्लान्ट्स, इंडियन फारेस्टर, 180 (4): 456–460।

15. ध्यानी, एस. और त्रिपाठी, एस. (2004): यूटिलाइजेशन ऑफ नीम फॉर प्रोटेक्शन ऑफ नॉन–डयूरेबल वुड। आई.सी.एफ.आर.ई, न्यूज लैटर को प्रस्तुत।

16. ध्यानी, एस. त्रिपाठी, एस. और इन्द्र देव (2004): प्रोलिमिनेरी स्क्रीनिंग ऑफ नीम (ऐजैडिरैक्टा इंडिका) लीफ एक्सट्रेक्टिव अगेंस्ट पोरिया मोन्टिकोला– वुड डीस्ट्राइंग फंगस। जे. इन्ड. एकेन्ड. वुड साइंस (एन.एस.) वाल्यू. 1(1&2),103–112।

17. ध्यानी, स्वाति; त्रिपाठी, एस. और इन्दर देव (2004): प्रीलिमिनेरी स्क्रीनिंग ऑफ नीम (ऐजेडिरैक्टा इंडिका) लीफ एक्सट्रेक्टिव अगेंस्ट पोरिया मोन्टिकोला– ए वुड डीस्ट्राइंग फंगस। जे. इन्ड. एकेड., वुड साइंस (एन.एस.), वाल्यू, (1&2) : 103–112।

18. दुबे, एम.; नेगी, अनिल और खाली, डी. पी. (2004): मीडियम डेनसिटी फाइबर बोर्ड इन इंडिया। जॉरनल ऑफ टिम्बर डवलपमेन्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया, 50 (3–4), 42–46।

19. दुबे, मनोज; नेगी, अनिल और खाली, डी.पी. (2004): रॉ मैटेरियल सप्लाई टू दी इंडियन वुड बेस्ड इन्डस्ट्रीज। जॉरनल ऑफ टिम्बर डवलपमेन्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया, 50 (1–2), 48–52।

20. गेरा, मोहित; गुसांई, महेन्द्र सिंह; अंसारी, एम. व्हाई और बिष्ट, एन.एस. (2004): इकॉनामिक्स ऑफ कल्टिवेशन ऑफ सम कमर्शियली इम्पोर्टेन्ट मेडिसिनल प्लान्ट्स इन हरियाणा। इंडियन फारेस्टर, 131 (3)।

21. गेरा, मोहित; गेरा नीलू और गिनवाल, एच.एस. (2004): परफोर्मेन्स ऑफ इलेवन सीड सोर्स/प्रोवीनेन्सेज ऑफ ऐल्बिजिया प्रोसेस (रॉक्स.) अंडर सेमी–एसिड रीजन ऑफ सेन्ट्रल इंडिया। एनल्स ऑफ फारेस्ट्री, 12 (1) : 73–80।

22. गेरा, मोहित; गेरा नीलू और गिनवाल, एच.एस. (2004): सीड सोर्स वेरिएशन इन जर्मिनेशन एंड अरली ग्रोथ एमोंग सेवन इन्डिजीनस पॉप्यूलेशन ऑफ डेरिस इंडिका (एल) पिएरी। एनल्स ऑफ फॉरेस्ट्री, 12 (1) : 149–154।

23. गिनवाल, एच.एस. और मण्डल, ए.के. (2004): वेरिएशन इन ग्रोथ परफार्मेन्स ऑफ एकेशिया निलोटिका वाइल्ड एक्स डेल प्रोवीनेन्सेज ऑफ वाइड जीओग्रेफिकल ओरिजनः सिक्स ईयर रीजल्ट्स। सिल्क जेनेटिका, 53 (5–6): 264–269।

24. गिनवाल, एच.एस.; कुमार, प्रदीप; शर्मा, वी.के. और मंडल, ए.के. (2004): सीड सोर्स वेरिएशन इन ग्रोथ परफार्मेन्स ऑफ यूकेलिप्टस कमल्डूलिनसिस डीहन. ऑफ आस्ट्रेलियन ओरिजन इन इंडिया। सिल्वा जनैटिका, 53 (4) : 182–186।

25. गिनवाल, एच.एस.; कुमार, प्रदीप; शर्मा, वी.के.; मंडल ए.के. और सी.ई. हारवुड (2004): जेनेटिक वेरिएबिलिटी

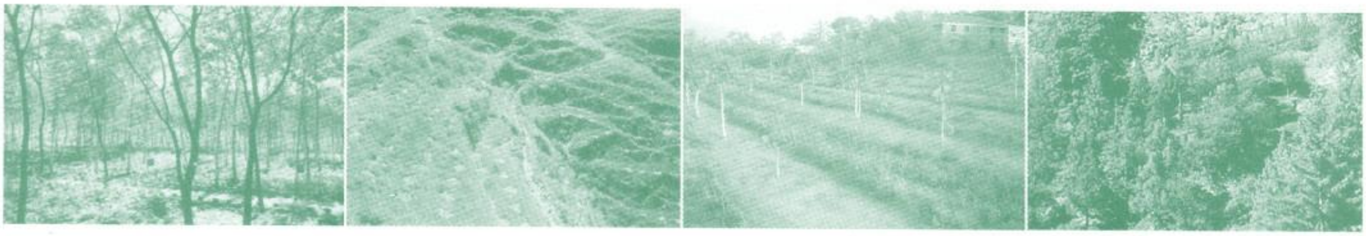

एंड अरली ग्रोथ परफार्मेन्स ऑफ यूकेलिप्टस टेरेटिकार्निस एस. एम. इन प्रोवीनेन्सेज कम प्रोजनी ट्राइल्स इन इंडिया। सिल्वा जेनेटिका, 53 (4–5): 148–153।

26. गिनवाल, एच.एस.; रावत, पी.एस.; भण्डारी, ए.एस. और मंडल, ए.के. (2004): पौटिंग मिक्सचर एफेक्ट्स दी सीडलिंग क्वालिटी इन ऐल्बिजिया प्रोसेरा (रॉक्सब) बैंथ अंडर रूट ट्रेनर सीडलिंग प्रोडक्शन सीस्टम। एनल्स ऑफ फोरेस्ट्री, 12(21): 172–181।

27. गिनवाल, एच.एस.; शर्मा, वी.के.; जाडोन, विकास, एस.; रावत, पी.एस. और मंडल, ए.के. (2004): अकरेन्स ऑफ एल्बिनो सीडलिंग्स इन ब्लू पाइन (पाइनस वालिचियाना ए–बी जैक्श) एंड दीयर जेनेटिक सिग्निफिकेन्स। एनल्स ऑफ फारेस्ट्री, 12 (2) : 290–292।

28. गुप्ता, संगीता (2004): वुड एनाटॉमी रीसर्च इन इंडिया : पास्ट, प्रजेन्ट एंड फ्रयूचर। झांसी में सम्पन्न "जैव संसाधन जागरूकता एंव ठोस अपशिष्ट का प्रबंध" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत।

29. गुप्ता, सारिका; शर्मा. पी. और सोनी, पी.एल. (2004): कार्बोक्सीमीथाइलेशन ऑफ केसिया ऑक्सिडेन्टेलिस सीड गमः जे. एप्लाइड पॉलीमर साइंस, 94 (4) : 1606–1611।

30. गुप्ता, सारिका; शर्मा, पी. और सोनी, पी.एल. (2005): कैमिकल मॉडिफिकेशन ऑफ केसिया ऑक्सिडेन्टेलिस सीड गम : कार्बेमोलीथाइलेशन। कार्बोहाइड्रेट पालीमर्स, 59: 501–506।

31. हार्न, एन.एस.के.; वर्मा, एस.के. और शर्मा, एस.के. (2004): गाल रस्ट ऑफ ऐकेशिया मॉडेस्टा– ए न्यू डिजीज रीकार्ड। इंडियन फारेस्टर, 130 (4): 461–462।

32. हुसैन एच. जे.; पिरास्ती, एस. और तोमर, ए. (2004): बायोडाइवर्सिटी कन्जरवेशन स्टेट्स इन इंडिया, बायोरिसोर्सेज : कनसर्न एंड कन्जरवेशन, जीवन विज्ञान में आधुनिक अनुसंधान रूझान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में (ए.एन. कामिली और ए. आर. यूसूफ सम्पा.), कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर के विकास हेतु अनुसंधान केन्द्र, 26 से 28 अगस्त, 2002, पी.पी., 79–85।

33. जैन, एस.एस. और विश्वास, सेस (2005): बैम्बू डाइवर्सिटी स्टडिज़ वीद रीफरेन्स टू न्यू फारेस्ट, देहरादून, उत्तराँचल। वन विज्ञान, 39 (1–40): 12–24।

34. जैन, एस.एस. और विश्वास, सेस (2004): सम रेर एंड थ्रीटेन्ड लैसर नोन ट्री डाइवर्सिटी एंड स्ट्रेटीजिज फार दीयर कन्जरवेशन : पर्यावरण एंव वन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित तथा वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा आयोजित "अल्प ज्ञात वृक्ष प्रजातियों का संरक्षण एंव पोषणीय उपयोग" सारांश पर राष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यवाही में, 8–10 मार्च, 2004 : 8।

35. कालिया, शामिला और पाण्डे, वी.पी. (2004): बायोलॉजी ऑफ यूप्रोक्टिस सिन्टिलेन्स वाक. (लेपिडोप्टीराः लाइमेनट्रिडा) आन इट्स न्यू होस्ट्स रॉबिनिया स्यूडोऐकेशिया एल फ्राम एच.पी.। इन्टोमॉन, 29 (1): 85–87।

36. कालिया, शामिला और सिंह, आर.बी. (2004): मिरीसा एल्बिपुंक्टा हर शेफर (लेपिडोप्टीराः लिमाकोडिडा)– ए डीफालिएटर ऑफ पाप्युलस डेलट्वाइड्स : ए न्यू रिपोर्ट फ्राम इंडिया। इंडि. जे. फॉर., 27(2): 22।

37. कपूर, सारिका; हर्ष, एन.एस.के. और शर्मा, एस.के. (2004): ए न्यू विल्ट डिजीज ऑफ एकेसिया निलोटिका कौज्ड बाय फ्यूजेरियम ऑक्सीसपोरियम. जे. ट्रॉपः फॉर साई., (16): 453–462।

38. खाली, डी.पी. और रावत, एस.पी.एस. (2004): क्लस्टरिंग ऑफ वाटर मॉलीक्यूल्स ड्यूरिंग एड्जोर्पशन ऑफ वाटर इन हॉलोसेल्यूलोज, जरनल ऑफ टिम्बर डेवलपमैन्ट एसोसिएशन ऑफ इण्डिया, 50 (1–2), 33–41।

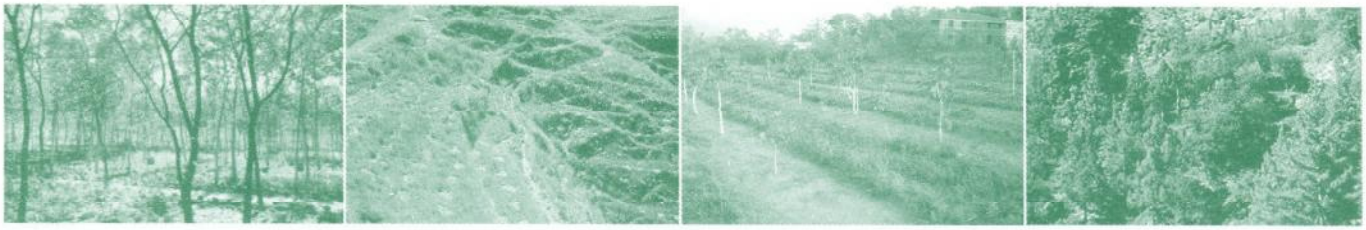

39. खाली, डी.पी.; नेगी, अनिल और जैन, वी.के. (2004): कॉम्बिप्लाइवुड ऑफ प्लान्टिशन स्पीसीज–यूकेलिप्टस हाइब्रिड, पॉप्युलस डेलट्वाइड्स एण्ड पावलोनिया फॉर्चूनी, आई.पी.आर.आई.टी.आई., बंगलौर में 17 दिसम्बर, 2004 को "अभियांत्रित काष्ठ, बांस तथा अन्य लिग्नोकोशाध्विकों द्वारा काष्ठ प्रतिस्थापन" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत।

40. खुल्लर, रितु ; वार्ष्णेय, वी.के.; नैथानी, एस. हींज, टी. और सोनी, पी.एल. : कार्बोक्सीमीथाइलेशन ऑफ सेलूलोसिक मैटीरियल (AV- DP 2600) आइसोलेटेड फ्रॉम कॉटन (गासियियम) लिन्टर्स वीद रीस्पेट टू डिग्री ऑफ सबस्टिट्यूशन एंड रीओलॉजिकल बीहैवियर। जारनल ऑफ एपलाइड पॉलीमर सांइस, (प्रेस)।

41. कोठियाल, विमल.; खण्डूरी, ए.के. और जैन, वी.के. (2005): वुड क्वालिटी असेसमेन्ट ऑफ पॉप्युलस डेलट्वाइडस क्लोन्स फ्राम हल्द्वानी, उत्तराँचल। इंडियन फारेस्टर, वाल्यू. 131(1) : 14–24।

42. कुलकर्णी, एम.; त्रिपाठी, एस. और जोशी, के.सी. (2004): कैरोमोनल एक्टिविटी ऑफ कम्पाउण्डस आइसोलेटेड फ्राम बार्क ऑफ साल (शोरिया रॉबुस्टा गेर्ट एफ.) फॉर एट्रैक्टिंग दी साल हर्टवुड बोरर होप्लोसीरेम्बीक्स स्पिनिकॉर्निस न्यूमैन (कॉलीओप्टीराः सीरेम्बीसिडा)। इंडियन जॉरनल ऑफ फारेस्ट्री, वाल्यू. 27(3) : 321–325।

43. कुमार, पंकज; रावत, वी.आर.एरा.; खण्डूरी, वी.पी. और त्यागी, मोनिका (2004): डाइवर्सिटी, डिस्ट्रिब्यूशन एंड कन्जरवेशन ऑफ नाइट्रोजन फिक्सिंग प्लान्टस ऑफ गढ़वाल हिमालयन रीजन, 22 से 25 नवम्बर, 2004, शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में उष्णकटिबंधी में बहुउददेशीय वृक्षः मूल्यांकन, वृद्धि और प्रबंध पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में।

44. मिश्रा, ए.; शर्मा, एस.डी. और पाण्डे, आर. (2004): एमीलिओरेशन ऑफ डीग्रेडेड सोडिक स्वायल बाइ अफोरेस्टेशन। एसिड लैण्ड रीसर्च एंड मैनेजमेन्ट, 18:13–23।

45. मिश्रा, आर.एम.; मिश्रा आर.के. और भण्डारी. आर.एस. (2004): आईसीन्डस पीरोस : ए न्यू प्रीडेटर्स टू हीटीरोप्सीला क्यूबाना, ए सैप सकर ऑफ सब–बबूल। इंडियन जारनल ऑफ फॉरेस्ट्री, 27(1):13–115।

46. नौटियाल. एस.; ध्यानी, माधवी; कुमार, पंकज और भण्डारी एच.सी.एस., (2004): रूटिंग रीस्पॉन्स ऑफ जूवीनाइल शूट कटिंग्स ऑफ टर्मिनेलिया अर्जुना अंडर डिफरेन्ट हार्मोनल ट्रीटमेन्ट। हिमालयन राज्यों में वन्य रेशम के पोषणीय विकास के लिए क्षमता एंव रणनीति पर कार्यशाला कार्यवाही। पी.पी. 70–74।

47. नौटियाल, एस.; त्यागी, मोनिका.; जोशी, प्रीती और कुमार, पंकज (2004): ग्रोथ परफॉर्मेन्स ऑफ सम इन्डिजीनस फ्यूल वुड एंड फॉडर ट्री स्पीसिज ऐट दी थ्री एल्टिटयूड्स ऑफ गढ़वाल हिमालयाज। उष्णकटिबंधी में बहुउददेशीय वृक्ष पर आई यू एफ आर ओ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन। पी.पी. 57।

48. नौटियाल, एस.; और नौटियाल, डी.पी. (2005): प्रजेन्ट स्टेटस ऑफ एक्सोटिक ऐकेशिया स्पीसिज इन इंडिया। 15 से 18 मार्च, 2005 तक पी.ए.यू. लुधियाना (पंजाब) में भारतीय वानिकी में विदेशज पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

49. नौटियाल, एस.; हुसैन, अजमल और खाली, राकेश (2004): क्लोरोफील फ्लोरीसेन्स इन रीलेशन टू डयूरनल चेन्जेज ऑफ थ्री फाइकस स्पीसिज। दी इंडियन फारेस्टर, वाल्यू 130, वाल्यू 7, पी.पी.: 811–818।

50. निर्मल राम : "इम्पैक्ट ऑफ टूरिज्म आन हाइड्रोइक्रोलॉजिकल पैरामीटर्स ऑफ साल प्लान्टेशन इन दी फॉरेस्ट हिल्स दार्जिलिंग, हिमालया" शीर्षक के तहत यह शोध पत्र डा. निर्मल राम द्वारा 4 और 5 मार्च, 2005 को गवर्नमेन्ट पी.जी. कालेज, उत्तरकाशी द्वारा आयोजित पर्यटन एंव हिमालयन जैवविविधता पर राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत किया गया।

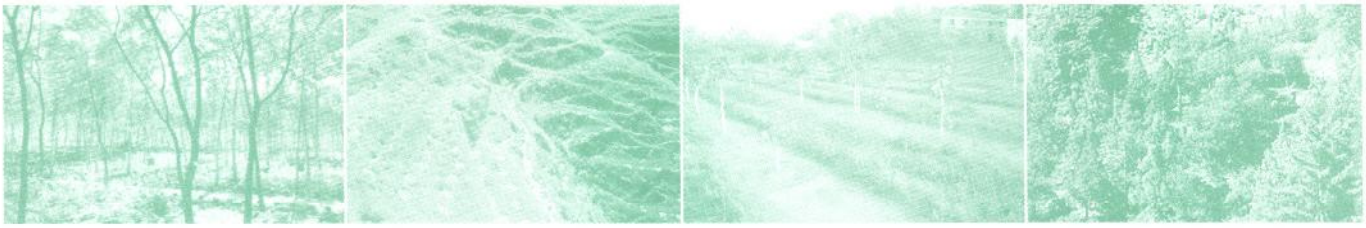

51. पाण्डे, पी.के. (2004): कम्परेटिव एकाउन्ट ऑफ टेम्बोरल वेरिएशन इन स्वायल न्यूट्रिएन्ट अंडर ट्रापिकल प्लान्टेशन्स। एनल्स ऑफ फॉरेस्ट्री, 12 (1) : 29–37।

52. पाण्डे, पी.के. (2004): न्यूट्रिएन्ट्स साइक्लिग इन डिस्टर्बड ट्रापिकल ड्राई डीसिडूअस टीक फॉरेस्ट ऑफ सतपुड़ा प्लेट्यू मध्य प्रदेश, इंडिया। जॉरनल ऑफ ट्रापिकल फॉरेस्ट साइंस, 16(1): 94–105।

53. पाण्डे, पी.के. और सिंह, मगन (2005): इन्ट्राक्लोनल, इन्टर क्लोनल एंड सिंगल ट्री वेरिएशन्स ऑफ वुड एनाटामिकल प्रापर्टिज एंड स्पेसिफिक ग्रेविटी ऑफ क्लोनल रेमेट्स ऑफ डैल्बर्जिया सिस्सू रॉक्सब। वुड साइंस एंड टैक्नोलॉजी।

54. पाण्डे, पी.के.; नेगी, कृष्णा और मगन सिंह (2004): इन्टर–स्पीसिज वैरिएशन्स इन वुड इलीमेन्ट्स ऑफ डिफरेन्ट्स स्पीसिज ऑफ रेड मीरान्ती ग्रुप ऑफ शोरीया ऑफ माले पेनिनसुला, जॉरनल ऑफ इंडियन अकादमी ऑफ वुड सांइस, 28–30 (182) : 97–99।

55. पाण्डे, पी.के.; नेगी, कृष्णा और मगन सिंह (2004): वुड एनाटोमिकल वैरिएशन्स इन रैड मीरान्ती ग्रुप ऑफ शोरीया ऑफ माले पेनिनसुला। एनल्स ऑफ फोरस्ट्री, 12 (2) : 217–232।

56. पाण्डे, पी.के.; सिंह जे.; मेशराम, पी.बी.; बैनर्जी, एस. और पाल, एम. (2004): फीनॉलॉजिकल स्टडिज़ ऑन ऐजैडिरैक्टा इंडिका ए.जस. (नीम). ऑफ सतपुड़ा एंड ऐडजेसेन्ट एग्रो क्लाइमेट जोन्स ऑफ एम.पी. (इंडिया) इंडियन फॉरेस्टर, 130(3): 273–282।

57. पाण्डे, एस. और भण्डारी आर. एस. (2004): इफैक्ट ऑफ कोन मॉरफोलॉजी ऑन इट्स सस्सेप्टिबिलिटी ऑफ चीड़ पाइन कोन बीटल, क्लोरोफोरस स्ट्रोबिलिकोला चैम्पियन। इंडियन फारेस्टर, 130(4): 1303–1306।

58. प्रसाद, एल.; अंसारी, आई.ए. और चन्द्रा, एस. (2004): इम्पैक्ट ऑफ एस्कार्बिक एसिड इन आर्टिफिसियल डायट ऑन दी ग्रोथ एंड डवलपमेन्ट ऑफ शीशम डीफॉलिएटर, प्लीकोप्टीरा रीफ्लेक्सा गूइन। इंडियन जारनल ऑफ फारेस्ट्री, 25(1): 95–97।

59. रावत, लक्ष्मी और वशिष्ठ, एच.बी. "इम्पैक्ट ऑफ टूरिज्म ऑन एन्वायरमेन्ट ऑफ रूपकुण्ड एंड पिण्डारी एरीयाज़ ऑफ नन्दा देवी बायोस्पेयर रीजर्व, उत्तराँचल", प्रोजेक्ट समरी–द्विवार्षिक बुलेटिन "हिमालयन बायोस्फेयर रीसर्व" वाल्यू. 6; (102). जी.बी.पी.आई.एच.ई एंड डी., अल्मोड़ा।

60. रावत, एस.पी.एस. और खाली, डी.पी. (2004): स्टडीज़ ऑन एडजॉरप्शन बीहैवियर ऑफ वाटर वेपर्स इन लिग्निन यूजिंग फ्लोरी–हगिन्स थ्योरी। जारनल ऑफ टिम्बर डवलपमेन्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया। 50: (3–4), 18–24।

61. रावत, विजय और रावत, लक्ष्मी (2004): विश्वव्यापी जलवायु परिवर्तन : अन्तर्राष्ट्रीय प्रयासों में वानिकी एवम् भारतीय पहल। वन दर्पण, वाल्यू. 5, 8–10।

62. राय, एस.एम.; थपलियाल, आर.सी. और फर्त्याल, एस.एस. (2004): सीड सोर्स वैरिएशन इन कोन, सीड एंड सीडलिंग्स कैरेक्टेरिस्टिक्स एक्रॉस दी नेचुरल डिस्ट्रिब्यूशन ऑफ हिमालयन लो लेवल पाइन–पाइनस रॉक्सबर्घाई, सिल्वा जेनेटिका, 53 (3) : 116–123।

63. शर्मा, एस.के.; वर्मा. एस.के. और भोजवैद्य, पी.पी. (2004): क्लोनिंग ऑफ ऐकेशिया निलोटिका फॉर मल्टिप्लिकेशन एंड इस्टेबलिसमेन्ट क्लोनल सीड औचार्ड। यह शोधपत्र शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक सम्पन्न "उष्णकटिबंधी के बहुउद्देशीय वृक्ष : मूल्यांकन वृद्धि और प्रबंध" पर यूफरो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

64. शुक्ला, ए.एस., सोनी, पी. और त्रिपाठी ए.के. : 8 से 10 जून, 2004 तक "वन और जल संरक्षण काल्पनिकता एंव वास्तविकताएं" पर राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रस्तुत शोधपत्र का सारांश।

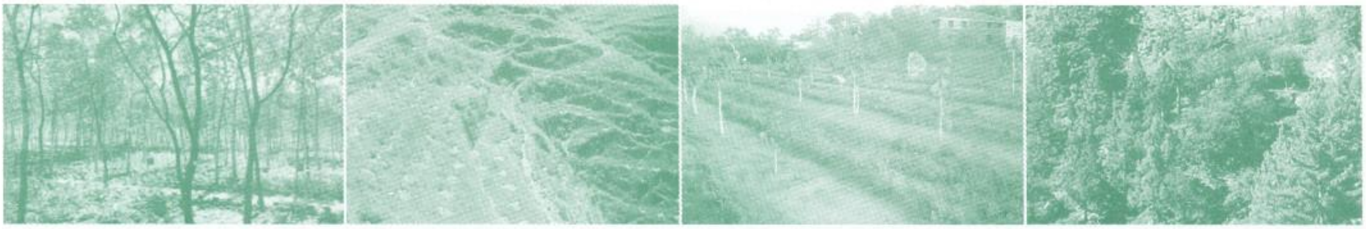

65. शुक्ला, एस.आर.; राव, आर.वी.; कुमार पी.; कोठियाल, वी. और सुधीन्द्र, आर., (2004): वुड क्वालिटी ऑफ फीफ्टीन ईयर्स ओल्ड ऐकेशिया ऑरिकूलिफॉर्मिस ऑफ नोन सीड़ ओरिजन एंड इट्स कम्पैरिजन वीद दी ट्रीज ऑफ अननोन सीड ओरिजन। आई.पी.आई.आर.टी.आई., बंगलौर में 17 दिसम्बर, 2004 की सम्पन्न "अभियांत्रिक काष्ठ, बांस और अन्य लिग्नोकोशाध्विकों द्वारा काष्ठ प्रतिस्थापन" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत पोस्टर शोध पत्र।

66. सिंह, ए.पी. और भण्डारी, आर.एस. (2003): रेंज एक्सटेंशन ऑफ बुश हॉपर बटरफ्लाई, एम्पिटा डायोस्क्रिडस फैब. (लीपिडोप्टीरा : हीस्पीरिडा) इन्टू दी लोवर वेस्टर्न हिमालयाज। इंडियन फॉरेस्टर, 129 (8) : 1046–1048।

67. सिंह, ए.पी. और पाण्डे, आर. (2004): ए मॉडल फॉर इस्टिमेटिंग बटरफ्लाई स्पीसिज रिचनेस ऑफ एरीयाज़ एक्रास दी इंडियन कान्टिनेण्टः स्पीसिज प्रोपोर्शन ऑफ फेमली पोपिलिओनिडा ऐज ऐन इन्डिकेटर। जे.बी.एच.एच.एस., 101 (1): 79–89।

68. सिंह, डी. और वशिष्ठ, एच.बी. (2004): रीहैबिलिटेशन ऑफ माइन्ड लैण्डस इन दी हिमालयाज़ थ्रो सिल्विपास्टोरल मॉडल्स। इंडियन फॉरेस्टर, 130(4): 398–404।

69. सिंह, डी.; श्रीवास्तव, आर.के. और खण्डूरी, वी.पी. (2005): मार्केटिंग स्ट्रैटीजिज एंड ट्रेड ऑफ मैडिसिनल प्लान्ट्स इन उत्तराँचल : प्रजैन्ट एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स। इंडियन फारेस्टर, वाल्यू. 131(3): 330–340।

70. सिंह, एस. और अहमद, एम. (2004): दी हीम्नोप्टेरा (बीज, वाष्प एंड आन्ट्स) : स्पीसिज एंड फंक्शनल डाइवर्सिटी, वन विज्ञान, 39 (1–4) : 91–105।

71. सिंह, एस. (2004): ए न्यू स्पीसिज ऑफ केनोहोमेलोपोडा टेकिकावा (हीम्नोप्टीराः इन्क्रीटिडा) फ्राम मिजोरम, इंडिया। जूज प्रिन्ट जारनल, 19 (9) : 1613–1615।

72. सिंह. एस.; बीलोकोबीलस्की, एस.ए.; चौहान, एन और पाण्डे, एस. (2005): डीस्क्रिप्शन ऑफ द न्यू स्पीसिज ऑफ जीनस स्पेस्किया बीलोकोबीलस्की, 1998 (हीम्नोप्टीरा : ब्रेकोनिडा) फ्राम इंडिया बीद फस्ट रीकार्ड ऑफ दीस जीनस इन दी ओरिएन्टल रीजन। एनल्स जूलोजिसी, 55(1): 95–98।

73. सिंह. एस. वी. (2004): कम्परेटिव रीस्पॉन्स ऑफ फर्टिलाइजर सोर्स ऑफ न्यूट्रिएन्ट्स टू टर्मिनेलिया अर्जुना इन वाटर लॉग्ड सोडिक स्वॉयल। इंडियन फॉरेस्टर, 130(8): 893–898।

74. सिंह. वी. और दयाल, आर. (2004): एन्टिफीडेन्ट, लार्विसिडल एंड ओविसिडल एक्टिविटिज ऑफ वाइटेक्स नीगून्डो लीव्स अगेंस्ट क्लोस्टीरा फूल्गूरिया। शाशपा, 11(2):145–150।

75. सोनी, पी. और चन्द्रा, वीना (2004): लैसर नोन ट्री स्पीसिज ऑफ रीस्टोरेशन वैल्यू इन माइनिंग बेल्ट ऑफ उड़ीसा एंड झारखंड। पर्यावरण एंव वन मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित और वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा आयोजित "अल्प ज्ञात वृक्ष प्रजाति का संरक्षण एंव सतत् उपयोग" पर राष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यवाही में।

76. सोनी, पी. और नेगी, मृदुला "डवलपमेन्ट वर्सेस डीस्ट्रक्शन प्रोबलम्स एंड प्रोस्पेक्ट्स ऑफ माइनिंग इन्डस्ट्री" शीर्षक से एक शोधपत्र। यह शोधपत्र श्रीमती सोनी द्वारा आचार्य नरेन्द्र देव नगर निगम महिला मद्य विद्यालय कानपुर में आयोजित पर्यावरण एंव पोषणीय विकास पर मानवोद्भवी दवाब पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।

77. सोनी. पी. और कुमार ओम "रीस्टोरेशन ऑफ वेस्टलैण्डस की टू ससटेनेबल मैनेजमेन्ट ऑफ वाटर रीसोर्सेज" शीर्षक से एक शोधपत्र 8 से 10 जून, 2004 तक सम्पन्न "वन एंव जल संरक्षण काल्पनिकताएं एंव वास्तविकताएं" पर राष्ट्रीय कार्यशाला में पी. सोनी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

78. ठाकुर, आर.के. (2004): इन्सेक्ट पेस्ट इन्सिडेन्सेज। भारत में वन संसाधनों की पोषणीयता के स्तर के

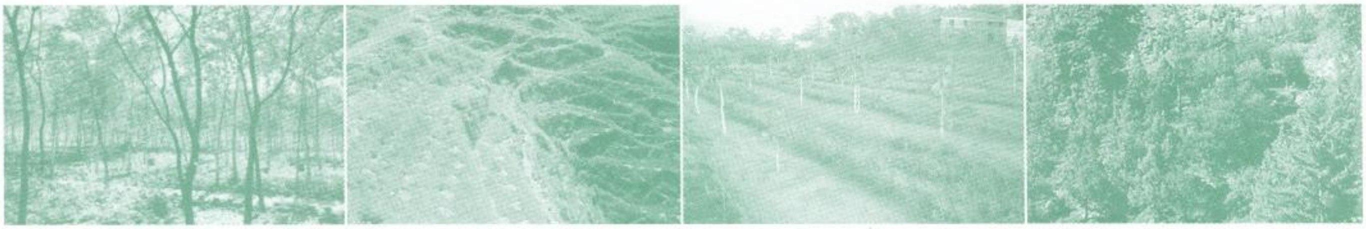

मूल्यांकन पर पाइलट अध्ययन की कार्यवाही (भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून और एंफएओ, रोम), पी.पी. 44–47।

79. थपलियाल, एम (2004): ट्विन सीडलिंग्स इन पूटरनजिवा रॉक्सबर्घाई वाल। इन्ड जे. फारेस्ट्री, 27: 43–44।

80. त्रिपाठी, ए.के. और पाण्डे, उमाकान्त, "स्टडी ऑफ रेन वाटर हारवेस्टिंग पोटेन्शियल ऑफ जूस विलेज ऑफ कच्छ डिस्ट्रिक्ट ऑफ गुजरात"। जारनल ऑफ हयूमन इकोलॉजी, वाल्यू. 15(1): 0000(2004)

81. वार्ष्णेय, वी.के.; दयाल. आर.; भण्डारी. आर.एस.; ज्योति के.एन.; प्रसून, ए.एल.; प्रसाद, ए.आर. और यादव, जे.एस. : बीहैवियोरल रीस्पांन्स ऑफ दी बोरर बीटल, होलोसीरेम्बीक्स स्पिनिकॉर्निस टू वोलेटाइल कम्पाउण्ड्स ऑफ दी ट्री शोरीया रॉबुस्टा। कैमेस्ट्री एण्ड बायोडाइवर्सिटी (प्रेस)।

82. वशिष्ठ, एच.वी. (2004): फारेस्ट हैल्थ एंड वाइरेलिटी : पालूटेन्ट्स। भारत में वन संसाधन के स्तर के मूल्यांकन पर पाइलट अध्ययन। भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून और एफएओ, रोम, पी.पी. 55–56।

83. वशिष्ठ एच.बी. (2004): प्रोटेक्शन फाउन्डेशन : ग्राउण्ड वाटर टेबल इन विसिनिटी ऑफ फॉरेस्ट। भारत में वनों की पोषणीतया के मूल्यांकन के लिए पाइलट अध्ययन, भारतीय वन सर्वेक्षण देहरादून और एफएओ, रोम, पी.पी.: 104–105।

84. वशिष्ठ, एच.बी. : "लैण्ड स्लाइड्स : स्ट्रेटजी फॉर दीयर ससटेनेबल मैनेजमेन्ट इन दी हिमालयन रीजन" शीर्षक से एक शोधपत्र डा. एच.बी. वशिष्ठ द्वारा आचार्य नरेन्द्र देव नगर निगम महिला महाविद्यालय, कानपुर में आयोजित "पर्यावरण एंव पोषणीय विकास पर मानवोद्भवी दबाव" पर राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत किया गया।

85. वर्मा, प्रशान्त, के.; स्पेनी. पी. और राणा, वी.बी. "स्ट्रैटजिज फॉर कन्जरवेशन ऑफ बायोडायवर्सिटी इन माइन्ड लैण्ड्स" शीर्षक से एक शोध पत्र वन विज्ञान–ए जॉरनल ऑफ फारेस्ट्री साइंस में प्रकाशित किया गया (वाल्यू. 39, नं0 1–4, पी.पी. 25–45, 2001)।

86. वर्मा, एस.के.; शर्मा, वी.के.; गिनवाल, एच.एस. और शर्मा, एस.के. (2004): जेनेटिक वैरिएशन इन वुड प्रोपर्टिज ऑफ सेग्रीगेटिंग पाप्युलेशन्स ऑफ यूकेलिप्टस हाइब्रिड। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक सम्पन्न "उष्णकटिबंधीय के बहुउददेशीय वृक्ष : मूल्यांकन, वृद्धि एंव प्रबंध पर यूफरो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र"।

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर

1. आनन्द लक्ष्मी, आर.; वारियर, आर. आर., सिवा कुमार, वी और गुरुदेव सिंह, बी. (2005) : इन्वेस्टिगेशन ऑन सीड्स ऑफ थ्रीटेन्ड वाइल्ड मेडिसिनल प्लान्ट्स फॉर एक्स सिटू कन्जरवेशन। एफ. आर. आई, जबलपुर में 23 और 24 फरवरी, 2005 तक संकटस्थ वन्य औषधीय पादपों एवं इनके आवासों के मूल्यांकन संरक्षण और प्रबंध में उभर रही प्रौद्योगिकियों एवं इनके उपयोग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में : (सम्पादित–पी. के. शुक्ला, रवि श्रीवास्तव, राम प्रकाश एवं ओ. पी. चौबे) इसे एन एम पी बी, नई दिल्ली और एम. पी. राज्य एम एफ पी सी एफ लि0, भोपाल, पी. पी. 47।

2. दास गुप्ता, मधुमिता; यशोधा आर., सुमथि आर. और गुरुमूर्ति, के (2005) : आइसोलेशन ऑफ सिम्पल सीक्वेन्स रीपीट फ्राम कैज्वारिना थ्रो क्रास स्पीसिज एम्प्लिफिकेशन। लोयोला कॉलेज, चेन्नई में 17 से 19 फरवरी, 2005 तक सम्पन्न रोगाणुक एवं पादप जैवप्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही में, पी पी; 40–50।

3. हेगडे, महेश्वर और पलानीस्वामी, के (2004) : माइनर टिम्बर यील्डिंग स्पीसिज ऑफ जीनस आर्टोकार्पस – रीसोर्सेज एंड यूटिलाइजेशन। व0अ0स0, देहरादून द्वारा आयोजित 8 से 10 मार्च तक अल्प ज्ञात वृक्ष प्रजातियों के संरक्षण और सतत उपयोजन पर राष्ट्रीय कार्यशाला, सारांश, पी. 60।

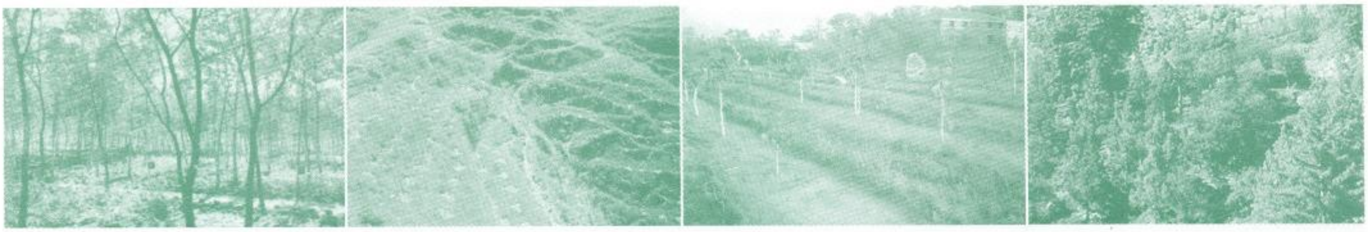

4. हेगडे, महेश्वर; लालिथा एस.; पदमिनी एस.; शान्ति, ए. गिरीसन, के और पलानीस्वामी, के. (2004): जेनेटिक इम्प्रूवमेन्ट ऑफ सम मल्टिपरपज ट्रीज ऑफ जीनस आर्टोकार्पस। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान जोधपुर में 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक सम्पन्न उष्णकटिबंधी में बहुउद्देशीय वृक्ष – मूल्यांकन, वृद्धि और प्रबंध पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की स्मारिका एवं सारांश में, पी : 300।

5. हेमालथा, एस; मोहन, बी और सुजाथा, के. (2005) : स्टडीज ऑन दी इफैक्ट ऑफ डिफरेन्ट कार्बन सोर्सेज ऑन दी ग्रोथ इम्पूवमेन्ट ऑफ इक्टोमाइकोराइजल फंगी। जैविकीय विज्ञान विभाग मुथय्यामल कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रासीपुरम, नमक्कल जिला, तमिलनाडु में सम्पन्न "जैवप्रौद्योगिकी – मानवता के लिए वरदान पर राष्ट्रीय स्तर पर चौथी जैविकीय कांग्रेस में, पी.पी. : 20।

6. जेकब, जे. पी. (2004) : इनसेक्ट पेस्ट्स ऑफ फॉरेस्ट एंड दीयर मैनेजमेन्ट। अगली पीढ़ी के लिए स्वस्थ वातावरण पर राष्ट्रीय सेमिनार की कार्यवाही लोयोला कालेज, चेन्नई, 2004।

7. कमला, एस ; कलायारासी, के; सुमाथि, आर; मालिगा, पी. और यशोधा, आर. (2005) : इस्टैबलिसमेन्ट ऑफ इन विट्रो कल्चर फ्रॉम मेच्योर जीनोटाइप ऑफ बम्बूसा न्यूटन्स एंड डेन्ड्रोकैलामस जाइगेन्टस। लोयोला कॉलेज, चेन्नई में 17 से 19 फरवरी, 2005 तक सम्पन्न रोगाणुक एवं पादप जैव प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही में, पी पी. : 50–52।

8. कार्थिकेयन, ए. (2004) : इनऑक्यूलेशन, ऑफ आर्बूस्कूलर माइकोराइजल फंगी फॉर इम्प्रूण्ड रुट स्ट्रक्चर ऑफ ऐकेशिया ऑरिकूलिफॉर्मिस ए. कन. एक्स बेन्थ। ट्री इम्प्रूवमेन्ट एंड बायोटैक्नोलॉजी में, पी. शनमुघवल और एस. जे. इग्नासिमूप्यू (सम्पा.) प्वाइंटर पब्लिशर्स, जयपुर इंडिया, पी. पी.: 100–109।

9. कुन्हिकानन, सी. (2005) : सिम्पल वैल्यू एडिशन फॉन मैडिसिनल प्लान्ट प्रोडक्ट – ए. लो कास्ट ड्राइंग टैक्नीक। अट्टापादी बंजर भूमियों के लिए कृषि वानिकी : क्षमता एवं सम्भावनांएख पी.पी. : 25।

10. मथिश, एन. वी; त्रिपाठी, एस. बी; यशोध्रा, आर. और गुरुमूर्ति, के. (2004) : मॉलीकूलर मार्कर्स इन ट्री ब्रीडिंग। 19 नवम्बर, 2004 को केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम में पादप जीनोमिक्स में रुझानों पर राष्ट्रीय सेमिनार की कार्यवाही में।

11. मोहन, वी. (2004) : डायवर्सिटी ऑफ माइकोराइजल फंगी एंड दीयर रोल ऐज बायोफर्टिलाइजर्स इन फॉरेस्ट्री। बायोडायवर्सिटी रीसोर्सेज मैनेजमेन्ट एंड ससटेनेबल यूज, के. मूथूचिलियन (सम्पा.) में, जैवविविधता एवं वन अध्ययन केन्द्र, ऊर्जा विद्यालय, पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन, मदुरई कामराज विश्वविद्यालय, मदुरई – 625 021, तमिलनाडु, इंडिया, पी.पी. : 353–360।

12. मोहन, वी. (2005) : डिस्ट्रिब्यूशन ऑफ माइकोराइजल फंगी एंड दीयर इफैक्ट ऑन ग्रोथ इम्प्रूवमेन्ट ऑफ फॉरेस्ट ट्रीज इन नर्सरी एंड फील्ड। अट्टापादी बंजर भूमियों के लिए कृषि वानिकी – क्षमता एवं सम्भावनाएं पर कार्यशाला में अट्टापादी हिल्स क्षेत्र विकास सोसाइटी, अगाली, केरल सरकार, केरल, इंडिया, पी. पी. 33।

13. मोहन, वी. (2005) : माइकोराइजल बायोफर्टिलाइजर टैक्नोलॉजी – ए टूल फॉर फॉरेस्ट्री इम्प्रूवमेन्ट जैविकीय विज्ञान विभाग, मुथय्यामल कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रासीपुरम, नमक्कल जिला, तमिलनाडु में सम्पन्न जैवप्रौद्योगिकी – मानवता के लिये वरदान पर राष्ट्रीय स्तर पर चौथी जैविकीय कांग्रेस में, पी.पी. : 7–13।

14. मोहन, वी, और मनोकरन, पी. (2004) : सलैक्शन ऑफ डिजीज रेजिस्टेन्ट फीनोटाइप्स ऑफ दी मल्टिपरपज ट्री स्पीसिज, कैज्वारिना इक्विसिटिफोलिया इन साउथ इंडिया। उष्णकटिबंधी में बहुउद्देशीय वृक्ष मूल्यांकन

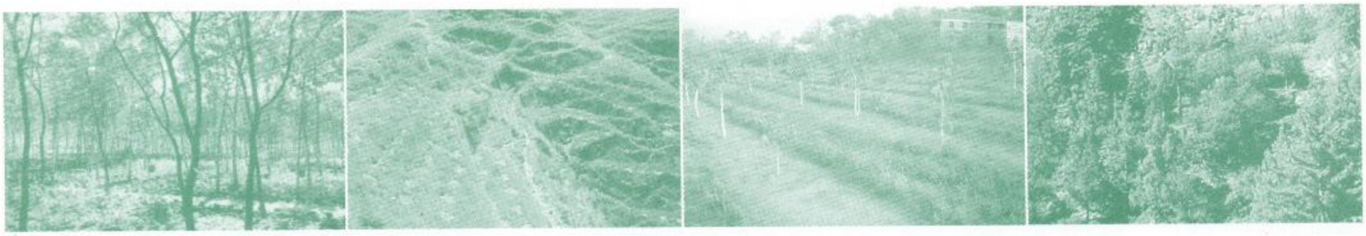

वृद्धि एवं प्रबंध पर यूफरो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (जोधपुर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद) जोधपुर–342005, राजस्थान, इंडिया, पी.पी. : 309।

15. मोहन, वी ; बप्पाम्मल, एम ; वसानही, एस. और मनोकरन, पी. (2004) : स्टडिज ऑन दी स्टेटस ऑफ आर्बूस्कूलर माइकोराइजल फंगी इन एसोसिएशन वीद सम इम्पोटैन्ट मेडिसिनल प्लान्टस। वनस्पति विज्ञान पी जी एवं अनुसंधान विभाग, कोनगूनाडू कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, कोयम्बटूर – 641029, तमिलनाडु, इंडिया में सम्पन्न ग्रामीण एवं मानव औषधीय पादप उपचार पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, पी पी 84–85।

16. मोहन, वी. (2004) : रोल ऑफ माइकोराइजल फंगी ऐज बायोफर्टिलाइजर्स इन फंगी ऐज बायोफर्टिलाइजर्स इन एग्रीकल्चर, हार्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री। जैविकीय परिदृश्य में वर्तमान रुझान में, वनस्पति विज्ञान पी जी अनुसंधान विभाग, वील्लालर महिला महाविद्यालय, इरोड़, तमिलनाडु, इंडिया में सम्पन्न राष्ट्रीय सम्मेलन, पी.पी. : 37–43।

17. नागाराजन, बी ; कुन्हिकानन, सी. और वेंकटेशसुब्रमण्यन, एन. (2005) : रीप्रोडक्टिव फिटनेस इज ए मेजर फैक्टर इन स्पीसिज रीकवरीकेश स्टडिज़ इन कोलि हिल्स एंड साइलैण्ट वैली ऑफ साउथ इंडिया। संकटस्थ वन्य औषधीय पादपों एवं उनके आवासों के मूल्यांकन, संरक्षण एवं प्रबंध में उभर रही प्रौद्योगिकियाँ एवं उनके उपयोग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी – सांराश में, 23 और 24 फरवरी, एस.एफ.आरं.आई., जबलपुर, पी.पी. : 18।

18. प्रीस्चर, एफ; लिन्डग्रीन, डी. और वर्गिज, एम. (2004) : जेनेटिक थिनिंग ऑफ क्लोनल सीड आर्चार्ड यूजिंग लिनीयर डीप्लॉयमेन्ट। फारेस्ट जैनेटिक्स एंड ट्री ब्रीड्रिंग इन दी ऐज ऑफ जीनोमिक्स, ली, बी एवं मैककीन्ड, एस (सम्पा.) में। यूफरो सम्मेलन की कार्यवाही, नवम्बर 1–5, 2004, चार्लस्टन यू.एस.ए., पी. पी. : 232–240।

19. ससिधरन, के. आर. और कुन्हिकानन, सी. (2005) : मेडिसिनल प्लान्ट्स सुटेबल फॉर कल्टिवेशन इन दी हिल एरीयाज ऑफ अट्टापादी। अट्टापादी बंजर भूमियों के लिए कृषि वानिकी : क्षमता एवं सम्भावनाएं पर कार्यशाला, सारांश. में, पी. पी. : 22।

20. वारियर, के. सी. एस. (2004) : सेक्रेड ग्रूव्स कन्जर्वड बाई ऐन एन्सीस्टरल होम इन साउथ केरल– ए केश स्टडी। पवित्र बागों के संरक्षण के लिए रणनीति पर राष्ट्रीय कार्यशाला – सारांश में मई 27–28, 2004; वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, कोयम्बटूर, पी.पी. : 9–10।

21. वारियर, के.सी. एस. और वेंकटरमणन, के. एस. (2004) : कैज्वारिना फॉर रीहैबिलिटेशन ऑफ साल्ट एफैक्टेड एरीयाज। मानवोद्भवी दबाव एवं निम्नीकरण के तहत भूमियों के सुधार पर राष्ट्रीय सेमिनार– सारांश, (रे, एम और पंवार वी. पी. – सम्पा0), वन उत्पादकता संस्थान (भारतीय अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद), रांची 20 जनवरी, 2004, पी.पी. : 26।

22. वारियर के. सी. एस. और वेंकटरमणन, के. एस. (2005) : सलेक्शन ऑफ क्लोन्स ऑफ कैज्वारिना इक्विसिटिफोलिया फॉर एग्रो फॉरेस्ट्री इन सेमि एरिड लोकेशन्स। अट्टापादी बंजर भूमियों के लिए कृषि वानिकी : क्षमता एवं सम्भावनाएं पर कार्यशाला, सारांश में, 8 और 9 जनवरी, अट्टापादी हिल्स क्षेत्र विकास सोसाइटी, अगाली, पलक्कड़ केरल, पी.पी. : 9।

23. वारियर, के. सी. एस.; कुमार, ए. और बालासुब्रमण्यम, ए. (2004) : असममेन्ट ऑफ क्लोन्स ऑफ कैज्वारिना इक्विसिटिफोलिया फॉरेस्ट यूजिंग प्वाइंट ग्रेडिंग मैथेड। उष्णकटिबंधी में बहुउद्देशीय वृक्षः मूल्यांकन, वृद्धि एवं

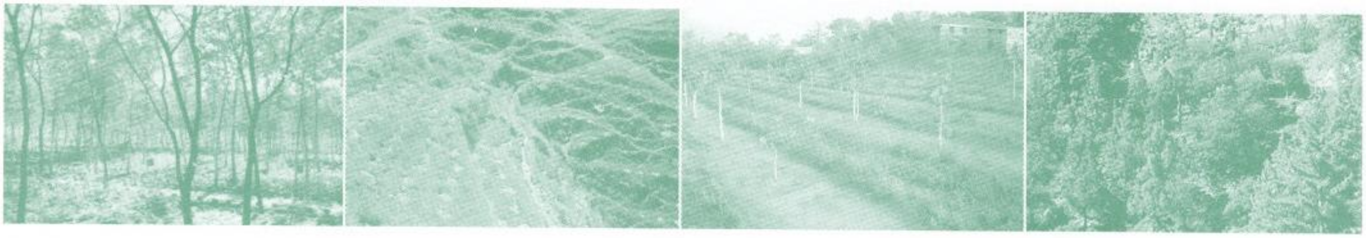

प्रबंध पर यूफरो अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला, स्मारिक एवं सारांश में 22 से 25 नवम्बर, 2004; शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, जोधपुर, इंडिया, पी. पी. : 266।

24. वारियर, के. सी. एस. ; कुन्हिकानन, सी. और गुणासेकरन, टी. (2004) : सेक्रेड ग्रूव्स, रीमनेन्ट्स ऑफ एवरग्रीन फॉरेस्ट्रस इन अलपूझा डिस्ट्रिक्ट, केरल। पवित्र बागों के संरक्षण पर राष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यवाही में, 16 से 18 सितम्बर, 2004। मालाबार पैलेस, कोझीकोट में केरल वन विभाग द्वारा आयोजित, पी.पी. 93–103।

25. यशोधा, आर; सुमथि, आर. और मालिगा, पी. (2005) : प्रोटोप्लास्ट आइसोलेशन एंड रीजनरेशन इन यूकेलिप्टस कमल्डूलिनसिस। 17 से 19 फरवरी, 2005 तक लोयोला कालेज, चेन्नई में सम्पन्न रोगाणुक एवं पादप जैवप्रौद्यागिकी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही में, पी.पी. 50–51 (सर्वोत्तम पोस्टर अवार्ड)।

का.वि.प्रौ.सं., बंगलौर

1. अग्रवाल, पंकज, के. और गैरोला, सुरेश (2005) : स्ट्रैटीजिज फॉर इनहैन्सिंग यूजेज ऑफ ट्रीटेड वुड इन इंडिया। आई.आर.जी. कान्फरेन्स (डॉक नं. आई.आर. जी./डब्ल्यू पी. 5/40305)।

2. अग्रवाल, पंकज के. और राव, के. एस. (2004) : कम्यूनिकेशन : ए. वाइटल टूल इन फॉरेस्ट्री एक्सटेन्सन फॉर क्रीएटिंग अवेयरनेस अमोंगस्ट इन्ड यूजर्स। 8 से 13 अगस्त, 2005 तक ब्रिसबेन, आस्ट्रेलिया में सम्पन्न होने वाले ''सन्तुलित योजक परम्परा एवं प्रौद्योगिकी में वन'' पर 22वीं यूफरों विश्व कांग्रेस के लिए स्वीकार्य।

3. अग्रवाल, पंकज के. : ग्रोथ स्ट्रैसेस इन प्लान्टेशन टिम्बर : दीयर डिस्ट्रिब्यूशन, इफैक्ट एंड कन्ट्रोल। 3 से 7 जनवरी, 2005 तक अहमदाबाद में सम्पन प्रोसीडिंग आई एस सी–92।

4. अग्रवाल, पंकज के.; गैराला, सुरेश और राव के. एस. (2005) : कन्जरवेशन, रीस्टोरेशन एंड सस्टेनेबल मैनेजमेन्ट ऑफ मैंग्रूव फॉरेस्ट्स इन इंडिया। फरवरी, 2004 में विशाखापट्टनम में सम्पन्न राष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यवाहियां (आइ एस बी एन नं0 81–900284–64)।

5. अनन्थानारायण, ए.के. और कुमार, पी. (2004) : फीजिकल एंड मीकैनिकल प्रोपर्टिज ऑफ एल्बिजिया फाल्केटेरिया फ्राम तमिलनाडु। जे. इन्ड, एकड़े, वुड साइ. वाल्यू. 1 (एन. एस.) : 1–6।

6. अन्नपूर्णा, डी. राठौर, टी.एस. और जोशी, जी. (2005) : स्टडिज ऑन रीफाइनमेन्ट ऑफ पॉटिंग, मीडियम इन्ग्रीडिएन्ट्स एंड दीयर रेशियो फॉर प्रोडक्शन ऑफ क्वालिटी सीडलिंग्स ऑफ सन्दलवुड्स (सैन्टेलम एल्बम एल.), आस्ट्रेलियन फारेस्ट्री, 68 (1): 43–48।

7. अन्नपूर्णा, डी; राठौर, टी.एस. और जोशी, जी. (2004) : इफैक्ट ऑफ कन्टेनर टाइप एण्ड साइज ऑन दी ग्रोथ एण्ड क्वालिटी ऑफ सीडलिंग्स ऑफ इण्डियन सन्दलवुड्स (सैन्टेलम एल्बम एल.), आस्ट्रेलियन फारेस्ट्री, 67 (2): 82–87।

8. अन्नपूर्णा, डी. राठौर, टी.एस.; जोशी, जी और श्रीवास्तव, ए. (2004) : स्टडीज ऑन पोट्टिन्ग मिक्एचर एण्ड साइज ऑफ कन्टेनर्स ऑन दी क्वालिटी ऑफ सीडलिंग प्रोडक्शन इन कैज्वारिना इक्विसिटिफोलिया फॉरेस्ट। इण्डियन फॉरेस्टर, 130 (3) : 323–332।

9. दुबे, ए.के. और सुदरराज, आर. (2004) : इवेलूएशन ऑफ नीम प्रोडक्ट्स अगेंस्ट एल्यूरोडिकस डिसपर्सस रसल (एलीरोडिडाः होमोप्टीरा) ऑन बौहिनिया वेरिगाटा एण्ड माइकेलिया चम्पका। इण्डियन जॉरनल ऑफ प्लान्ट प्रोटक्शन, 32 (2) : 126–128।

10. दुबे, ए.के. और सुदरराज, आर. (2004) : ए रिव्यू ऑफ दी जीनस डाइल्यूरेनोमाडा क्वेन्टेन्स एण्ड बेकर (हेमिप्टेरा : एडिरोडिडा) विद डिस्क्रीप्शन्स ऑफ टू न्यू स्पिसिज फॉरमोशन एन्टोमौल, 24 : 147–157।

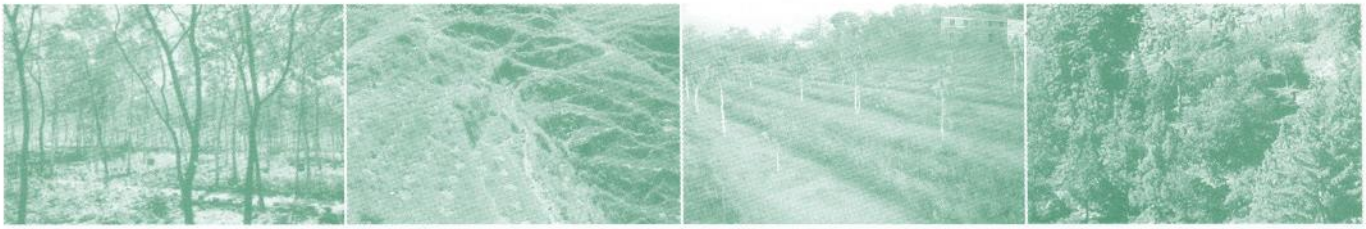

11. दुबे, ए.के. और सुदरराज, आर. (2004): एलीरोडिड्स ब्रीडिंग ऑन टीक (टैक्टोना ग्रैन्डिस' लिन. एफ.) इन वैस्टर्न घाट्स ऑफ साउथ इण्डिया; न्यू होराइजन ऑफ एनिमल साइंसेज, पी.पी. 541–547।

12. दुबे, ए.के. और सुदरराज, आर. (2004): होस्ट रेन्ज ऑफ दी स्पाइरैलिंग व्हाइट फ्लाई एल्यूरोडिकस डिस्पर्सस रसल (एलिरोडिडा : होमोप्टीरा) इन वैर्स्टन घाट्स ऑफ साउथ इण्डिया। इण्डियन जॉरनल ऑफ फॉरेस्ट्री, 27 (1) : 63–65।

13. दुबे, ए.के. और सुदरराज, आर. (2004): एलीरोडिडा (हेमिप्टीरा : एलिरोडिडा) फौना ऑफ दी लक्षद्वीप, इण्डिया। ऐन्टोमौन, 29 (3) : 279–286।

14. दुबे, वाई. एम.; शर्मा, एस. के.; राव. आर. बी. और काम्बू. ए. एस. (2004): स्टडीज ऑन दी इफैक्ट ऑफ बेपर फेज अमोनिया ट्रीटमेन्ट ऑन स्ट्रैन्थ प्रोपर्टीज यूकेलिप्टस टेरेटिकॉर्निस वुड जे. टिम्बर डीव. एसो. इण्डिया, वाल्यू 50 (3 व 4) : 47–49।

15. गैराला, सुरेश और अग्रवाल, पंकज (2005). स्टेटस ऑफ वुड प्रीजरवेसन इन इण्डिया– अप्रैल 2005 के दौरान बंगलौर में सम्पन्न आई.आर.जी. 36 सालाना सम्मेलन के लिए एक मुख्य शोधपत्र।

16. हेम;वथी, टी.आर.;शुक्ला, एस. आर; राव, आर. विजेन्द्र, शशिकला, एस. और सुजाथा, एम (2004): इवेलूएशन ऑफ फीजिकल एंड वुड एनाटॉमिकल प्रोपर्टीज ऑफ 8 ईयर्स ओल्ड ऐकेशिया मैन्जियम हाइब्रिड। आई पी आई आर टी आई, बंगलौर द्वारा आयोजित 17 दिसम्बर, 2004 को सम्पन्न यांत्रिकीकृत काष्ठ, बांस तथा अन्य लिग्नोकोशाधिक द्वारा काष्ठ प्रतिस्थापन पर राष्ट्रीय के लिए भेजा गया शोधपत्र।

17. हेमावथी, टी. आर. ; सुजाथा, एम; शशिकला, एस. और राव, आर विजेन्द्र (2004) : वैरिएशन इन सर्टेन एनाटॉमिकल प्रोपर्टिज ऑफ कैज्वारिया इक्विसिटिफोलिया। वनस्पति विज्ञान विभाग, श्री कृष्णादेवराया विश्वविद्यालय, अनन्तापुर, आन्ध्र प्रदेश द्वारा 29 से 31 अक्टूबर, 2004 तक आयोजित पादप विज्ञान में आधुनिक रुझान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और 27वीं अखिल भारतीय वानस्पतिक सम्मेलन।

18. जगदीश, जी.; लाल, राम; कुमार, रवि और राव, के. एस. शाक–वेव इन वुड प्रीजरवेशन। आई आर जी / डब्ल्यू पी 05–40308।

19. कान्फेड, ए. एम.; गैराला, सुरेश और अग्रवाल, पंकज, के (2005) : स्ट्रैटीजिज फॉर पॉप्युलराजिंग वुड प्रीजरवेशन टैक्नोलॉजिज। आई डब्ल्यू एस टी के विस्तार सहायता प्रभाग की भूमिका (डाक नं. आई आर जी / डब्ल्यू पी 05–40313)।

20. खाली, डी.जी. और अग्रवाल, पंकज, के. (2004) : एग्रोफॉरेस्ट्री डीमोन्स्ट्रेशन प्लान्टेशन्स. स्टेब्लिश्ड अन्डर यू एन डी पी प्रोजेक्ट ऑफ आइ सी एफ आर ई. जे ऑफ ट्रॉपिकल फारेस्ट्री, जबलपुर, 18 (1) 2002 : 4–8।

21. खाली, डी.पी. और रावत, एस. पी. एस (2004). क्लस्टरिंग ऑफ वाटर मॉलीक्यूक्स ड्यूरिंग एडजोर्पप्सन ऑफ वाटर इन होलोसेलूलोज, जॉरनल ऑफ टिम्बर डवलपमेन्ट एसोसिएशन ऑफ इण्डिया, 50 (1–2), 33–41।

22. कोप्पड़, ए. जी. और राव, आर. विजेन्द्र (2004). इनफ्लूएन्स ऑफ इन–सिटू मॉइस्चर कंजरवेशन मैथड्स एण्ड फर्टिलाइजर्स ऑन अर्लिग्रोथ ऑफ टैक्टोना ग्रैन्डिस लिन. एफ. (टीक) इन हिल जोन ऑफ कर्नाटक 1. जे. ट्रॉपिकल फॉरेस्ट साइन्स, 16 (2) : 218–231।

23. कुमार, पी : राव, आर. विजेन्द्र, कमला, बी. एस. और सुधीन्द्र, आर (2004). स्टैन्थ प्रॉपर्टीज ऑफ 6 इयर्स ओल्ड प्लान्टेशन ग्रोन ऐकेशिया क्रेस्किार्पा एण्ड ए. मैन्जियम अन्डर इरिगेशन, जे. इन्ड. एकेड. वुड. साइ. वॉल्यू.। (एन एस) : 10–17।

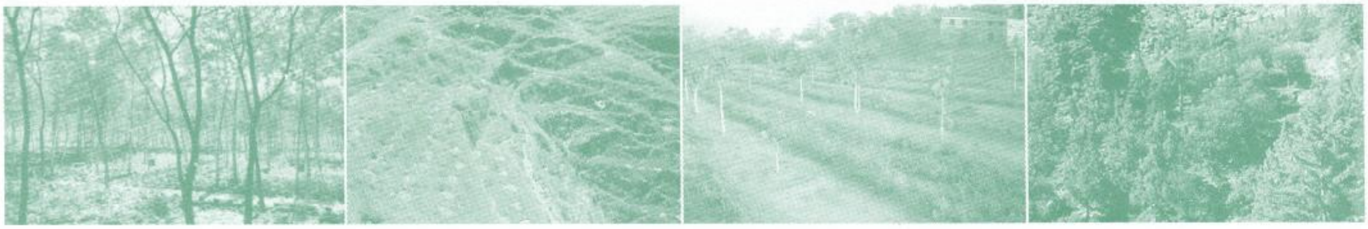

24. कुनहामू, टी.के.; कुमार, बी.एम. और विश्वनाथ एस.: ट्री एलोमैट्री, वॉल्यूम एण्ड एबव ग्राउन्ड बायोमास यील्ड इन ए सेवन ईयर ओल्ड ऐकेशिया मैन्जियम वाइल्ड। स्टैन्ड ऐट थिरुवझाम्कून्नू, इण्डिया। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर ने 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक सम्पन्न उष्णकटिबधीयों में बहुउद्देशीय वृक्ष : मूल्यांकन, वृद्धि और प्रबंध पर यूफरो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में।

25. कुन्हिाकानन, सी. राव;, एन. रामा और बिशन, एस. एस.: डाइवर्सिटी ऑफ प्लान्ट कम्यूनिटीज इन ड्राई डीसिडुअस फॉरेस्ट ऑफ टादोबा, नेशनल पार्क, चन्दरपुर महाराष्ट्र इण्डिया। उष्ण कटिबंधीय वनस्पतिक उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान तिरुअनन्तपुरम द्वारा 29 से 31 दिसम्बर, 2004 तक आयोजित तिरुअनन्तपुरम में संरक्षण और आई ए ए टी के चौदहवें सालाना सम्मेलन में प्रस्तुत।

26. लाल, राम और वानि. सी.एन.ए. : नोट ऑन दी डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ कॉपर क्रोम बोरिक (सी सी बी) एलाँग दी कल्मलैन्थ ऑफ फ्रेसली एण्ड फैल्ड बैम्बू ट्रीटेड बाइ मॉडिफाईड बाउचरी प्रोसेस। आईआर. जी./ डब्ल्यू पी 05–40317।

27. लाल राम और वानि. सी. एन. : ट्रीटमेन्ट ऑफ फ्रैस ग्रीन राउन्ड बैम्बूज कल्म्स (डेन्ड्रोकैलामस स्ट्रिक्टस) बाई सैफ डिसप्लेसमेन्ट (विक) मैथड. आई आर जी/डब्ल्यू पी 05–40311।

28. मुत्थुकृष्णन, राजा, और रीमादेवी, ओ.के. (2005). ए मॉडिफाईड मैथड टू डिटरमाइन दी टोक्सिक वेल्यूस ऑफ कैमिकल्स अगेन्स्ट लीक्टस एफ्रिकेनस (लिस्ने) बाय लरवल ट्रांन्सफर मैथड (लैबोरेटरी मैथड)। यह शोधपत्र बंगलौर में 24 से 28 अप्रैल, 2005 तक सम्पन्न काष्ठ सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान समूह 36 के सालाना सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

29. मुत्थुकृष्णन, राजा; रीमादेवी, ओ.के. और सुन्दरराज, आर. (2004): बीटल पैस्ट्स ऑफ टिम्बर्स यूज्ड फॉर हैन्डीक्राफ्ट एण्ड पैकिंग केसेज इन कर्नाटक : ए सर्वे रिपोर्ट। कन्ट्रीब्यूशन्स टू बायोसाइन्सेज, फैलिसीटेशन वाह्यूम, पी. पी. : 2002–2011।

30. मुत्थुकृष्णन, राजा; रीमादेवी, ओ.के. और सुन्दरराज, आर. (2004): नेचुरल डयूटेबिलिटी ऑफ इंडियन एंड एक्सोटिक टिम्बर्स अगेंस्ट टरमाइट्स। काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में 20 और 21 अक्टूबर, 2003 को सम्पन्न भारत में काष्ठ परिरक्षण : चुनौतियां, सुअवसर और रणनीतियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यवाहियों में।

31. नागावेणी, एच. सी. और रीमादेवी, ओ.के. : नेचुरल रीजिस्टेन्स ऑफ इक्सोटिक्स ऐकेसियाज अर्गेस्ट वुड डीके फंगी। वानिकी और प्राकृतिक संसाधन विभाग, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, द्वारा आयोजित 13 से 28 मार्च, 2005 तक "भारतीय वानिकी में विदेशज" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत शोधपत्र।

32. नागावेणी, एच.सी.; आनन्दलक्ष्मी, एम. और शंकरनारायण के.एच. (2004) : फंजीटॉक्सिक स्टडिज वीद ए न्यू डाई सबस्टेन्स फ्रॉम पर्सीया मैक्रान्था (जिगत) : माई फॉरेस्ट, 40 (40) : 331–334।

33. नागावेणी, एच.सी; वीनमालर, डी; शंकरनारायण, के. एच. और रवि कुमार, जी. (2004) : इम्प्रोवाइज्ड क्रीओजोट एस बी सी (स्टीम वोलेटाइल क्रीजोट) एंड इट्स इफिकेसी ऑन बायोडीग्रेडेशन। काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्यागिकी संस्थान, बंगलौर में 20 और 21 अक्टूबर, 2003 को सम्पन्न "भारत में काष्ठ परिरक्षण : चुनौतियां, सुअवसर और रणनीतियां" पर राष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यवाही में।

34. नागावेणी, एच.सी; वेनमालर, डी; शंकरनारायण, के. एच. और रविकुमार, जी. : इम्प्रोवाइज्ड क्रीओजोट – एस वी सी (स्टीम वोलेटाइल क्रीजोट) एंड इट्स इफिकेसी ऑन बायोडीग्रेडेशन। भारत में काष्ठ परिरक्षण : चुनौतियां, सुअवसर और रणनीतिया पर राष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यवाही।

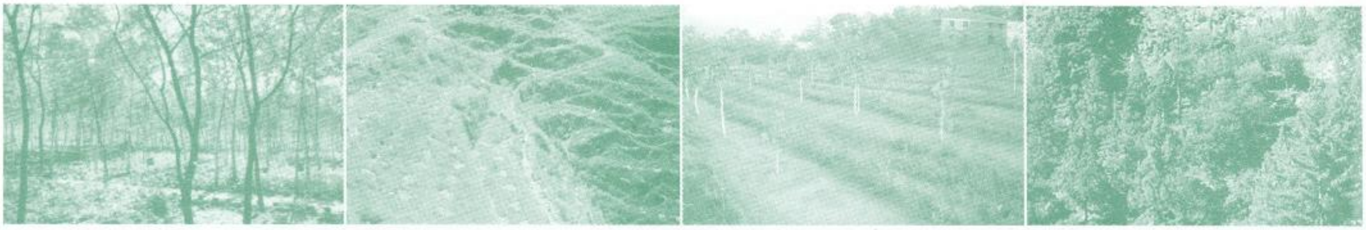

35. नरेन्द्रन, टी.सी.; राजि., बी. और रीमादेवी, ओ.के. (2004) : ए रीव्यू ऑफ दी ओरियन्टल स्पीसिज ऑफ मेगास्टिगमस डालमन (हीम्नोप्टीरा : टॉरीमिडा) : इन्टोमॉन : 299–307।

36. पाण्डे, के.के. (2004) : फोटोडीग्रेडेशन ऑफ अनमोडिफाइड एंड कैमिकली मोडिफाइड वुड सरफेसेस। सरफेसिंग एंड फिनिशिंग ऑफ वुड पर तीसरी अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, क्योटा, जापान की कार्यवाही में, 75–86।

37. पाण्डे, के.के. (2004) : फोटो डिसकलरेशन एंड डीग्रेडेशन ऑफ वुड्स एंड इट्स स्टैबिलाइजेशन बाई मॉडिफिकेशन बीद बेनज्वाइल क्लोराइड। काष्ठ सुरक्षा पर अन्तर्राष्ट्रीय अनुसंधान समूह। क्राक्यूमेन्ट नं. आई आर जी/ डब्ल्यू पी 04–40274, स्टॉकहोम स्वीडन।

38. पाण्डे, के.के. (2005) : ए नोट ऑन दी इन्फ्लूएन्स ऑफ एक्सट्रैक्टिव ऑन दी फोटो–डिसकलरेशन एंड फोटो डीग्रेडेशन ऑफ वुड। पॉलीमर डीग्रेडेशन एंड स्टैबिलिटी, वाल्यू. 87, 375–379।

39. पाण्डे, बी.पी. और सुन्दरराज, आर.: डिस्ट्रिब्यूशन ऑफ दी बबूल व्हाइटफ्लाई, एक्यूडेली रेकपोरु (सिंह) इन इंडियन सब कान्टिनेन्ट"। लोयोला कॉलेज, नुनगम्बक्कम, चेन्नई में 3 और 4 फरवरी, 2005 को "जैवविविधता और नाशिकीट प्रबंध पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत शोधपत्र।

40. पुरुषोथमन, एस. और विश्वनाथ एस. : एकॉनॉमिक एनालीसिस ऑफ स्टेकहोल्डर परसेप्सन्स ऑन लैण्ड यूज ऑप्सन्स इन दी पैरिफैरिज ऑफ ट्रॉपिकल ड्राई डीसिडुआस फॉरेस्ट्स इन सदरन इंडिया। आरलैण्डों, फ्लोरिडा, यूएसए में 27 जून से 02 जुलाई, 2004 तक सतत भूमि उपयोग प्रणालियों के लिए कृषि वानिकी कार्य साथ–साथ की पहली विश्व कांग्रेस की कार्यवाही में।

41. राजी बी. और रीमादेवी, ओ.के. (2004) : इनसैक्ट डाइवर्सिटी इन मैंग्रूव्स एलांग दी वेस्ट कोस्ट ऑफ इंडिया। कन्ट्रिब्यूशन टू बायोसाइंसेज, फैलिसिटेशन वाल्यूम, पी.पी. 77–87।

42. राव, के. एस.; गैराला, सुरेश और अग्रवाल, पंकज, के (2004) : वुड प्रीजरवेशन इन इंडिया : चैलेंजेज, आपॉर्चूनिटी एंड स्ट्रैटीजिज़। बंगलौर में 3 अक्टूबर, 2004 को सम्पन्न राष्ट्रीयता कार्यशाला की कार्यवाही (आई एस बी एन नं. 81–900284–5–6)

43. राव, एम.वी.; बालाजी एम; कुप्पुस्वामी, वी. और राव, के. सत्यनारायण : फैब्रिकेशन ऐस्पैक्ट्स ऑफ प्लैंक–बील्ट कैटामरैन्स ऑफ रीसेन्ट ओरिजन। सोसाइटी ऑफ फिसरीज टैक्नोलॉजिस्ट (इंडिया) कोची और सेन्टरल इन्सटिट्यूट ऑफ फिसरीज टैक्नोलॉजी, विशाखापट्टनम द्वारा 23 जुलाई, 2004 को आयोजित "ससटेनेबल फिसरीज डबलपमेन्ट, फोकस आन आन्ध्र प्रदेश" पर सेमिनार में प्रस्तुत।

44. राव, एम.वी.; बालाजी एम; कुप्पुस्वामी, वी. और राव, के. सत्यनारायण : इम्प्रूविंग दी सर्विस लाइफ ऑफ लैक–बिल्ट कैटामरैन्स मेड ऑफ एनोजिसस एक्यूमिनाटा थ्रो वुड प्रीजरवेशन। सोसाइटी ऑफ फिसरीज टैक्नोलॉजिस्ट (इंडिया) कोची और सेन्टरल इन्सटिट्यूट ऑफ फिसरीज टैक्नोलॉजी, विशाखापट्टनम द्वारा 23 जुलाई, 2004 को आयोजित "ससटेनेबल फिसरीज डबलपमेन्ट, फोकस आन आन्ध्र प्रदेश" पर सेमिनार में प्रस्तुत।

45. रावत, एस. पी.एस. और खाली, डी. पी. (2004) : स्टड़िज ऑन एडजॉरप्शन बीहैवियर ऑफ वाटर बेपर्स इन लिग्निन यूजिंग फ्लोरी–हगिन्स थ्योरी। जॉरनल ऑफ टिम्बर डवलपमेन्ट ऐसोसिएशन ऑफ इंडिया, 50 (3–4); 18–24।

46. रावत, एस.पी.एस. और शुक्ला, एस. आर. : विस्फोइलैस्टिक वीहैवियर ऑफ वुड टू ऐपीयर, अभियोजिकीकृत काष्ठ, बांस और अन्य लिग्नोकोशाध्विक द्वारा काष्ठ प्रतिस्थापना पर राष्ट्रीय सेमिनार की कार्यवाही में, 2004।

47. रावत, एस.पी.एस. और शुक्ला, एस. आर. (2004) : विस्फोइलैस्टिक वीहैवियर ऑफ वुड। आई पी आई

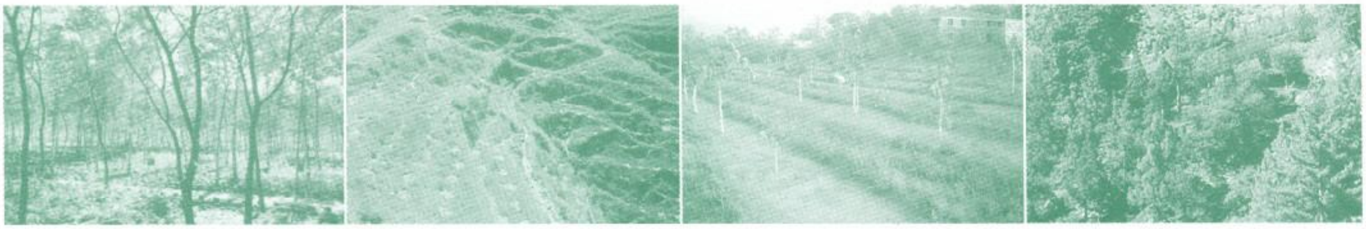

आर टी आई, बंगलौर द्वारा आयोजित 17 दिसम्बर, 2004 को सम्पन यांत्रिकीकृत काष्ठ, बांस और अन्य लिग्नोकोशाध्विक द्वारा काष्ठ प्रतिस्थापना पर राष्ट्रीय सेमिनार के लिए सारांश भेजा।

48. रीमादेवी, ओ.के. : टसर कल्चर फॉर ट्राइबल वेल्फेयर एंड सस्टेनेबल यूटिलाइजेशन ऑफ फारेस्ट ट्रीजस्टेटस एंड प्रोस्पेक्ट्स। कोलम्बो, श्रीलंका में 28 फरवरी से 5 मार्च, 2005 तक सम्पन्न 17वें राष्ट्रमण्डल वानिकी सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।

49. रीमादेवी, ओ.के. : डीटेक्शन, आइडेन्टिटी एंड मैनेजमेन्ट ऑफ इन्सैक्ट पेस्ट्स ऑफ टिम्बर। आई डब्ल्यू एस सी टैक्नीकल बुलेटिन नं. 3, पी पी. 16।

50. रीमादेवी, ओ.के. और मुथुकृष्णन, राजा (2004) : फील्ड ट्राइल्स टू टैस्ट टर्मिसिडल इफिकेसी ऑफ सलेक्टिव कैमिकल्स आन वुड। न्यू जॉरनल ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ वुड साइंस, आई एस एस एन– 0972–127 एक्स, (1 व 2) : 113–117।

51. रीमादेवी, ओ.के. और राजि, बी. : ट्रॉफिक कम्पोजिशन ऑफ इन्सैक्ट डाइवर्सिटी इन दी मैंग्रूव्स ऑफ वेस्ट कास्ट ऑफ इंडिया। लोयोला कॉलेज, नुनगम्बक्कम, चेन्नई में 3 और 4 फरवरी, 2005 को सम्पन्न "जैवविविधता और नाशिकीट प्रबंध" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत शोधपत्र।

52. रीमादेवी, ओ.के.; मुथुकृष्णन, राजा ; नागावेणी, एच. सी.; सुन्दरराज, आर. और विजयलक्ष्मी, जी. (2005) : डयूरेबिलिटी ऑफ बैम्बूज इन इंडिया अगेंस्ट टरमाइट्स एंड फंगी एंड कैमिकल ट्रीटमेन्ट फॉर इटस इनहैन्समैटं। बंगलौर में 24 से 28 अप्रैल, 2005 तक सम्पन्न काष्ठ सुरक्षा पर अन्तर्राष्ट्रीय अनुसंधान समूह 36 सालाना सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।

53. रीमादेवी, ओ.के. ; सुन्दरराज, आर. और राव, के. एस. (2004). : स्कोप ऑफ नीम प्रोडक्ट्स एंड फीरोमोन्स फॉर दी मैनेजमेन्ट ऑफ फॉरेस्ट इन्सैक्ट पेस्टस। जॉरनल ऑफ नॉन–फॉरेस्ट प्रोडक्ट्स, 11 (20) : 125–130।

54. रीमादेवी, ओ.के. : मैग्रूव्स – दी सेन्टिनल्स ऑफ दी सी–शोर। कोलम्बो, श्रीलंका में 28 फरवरी से 5 मार्च, 2005 तक सम्पन्न 17वें राष्ट्रमण्डल वानिकी सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।

55. शंकरनारायण, के.एच; नागावेणी, एच.सी. और आनन्दलक्ष्मी (2004) : फंगी टॉक्सिक स्टडिज वीद ए न्यू डाई सबस्टेन्स फ्राम पर्सीया मैक्रान्था। माई फारेस्ट, 40 (4) : 331–334।

56. शर्मा, एस.के.; दुबे, व्हाई. एम.; राव, आर.वी.; सिंह, ध्यान और शुक्ला, एस. आर. (2005) : बैन्डिग ऑफ कोकोनट वुड बाई वेपर फेज अमोनिया ट्रीटमेन्ट फॉर वैल्यू एडिशन, वुड न्यूज, 14 (4):68–70।

57. शर्मा, एस.के.; राव, आर.वी.; शुक्ला, एस. आर.; कुमार, पी; सुधीन्द्र, आर; सुजाथा, एम. और दुबे, व्हाई, एम. (2005) : वुड क्वालिटी ऑफ कॉपिस्ड यूकेलिप्टस टेरेटिकॉर्निस फॉर वैल्यू एडिशन। आई ए डब्ल्यू ए जॉरनल, 26 (1) : 137–147।

58. शर्मा, एस.के. ; शुक्ला, एस.आर.; दुबे, व्हाई. एम. और कुमार, पी. (2004). : ए नोट आन इलेक्टरीट् इफैक्ट इन प्लान्टेशन ग्रोन टिम्बर्स। जे. इन्ड. एकेड. वुड. साइ. वाल्यू. 1 (एन. एस.) : 128–133।

59. शशिकला, एस. और राव, आर. विजेन्द्र (2004) : जुविनाइल वुड प्रोपर्टिज ऑफ यूकेलिप्टस टेरेटिकॉर्निस क्लोन्स। जे. इन्ड. एड़ वुड. साइ. वाल्यू.। (एन. एस) : 118–127।

60. शुक्ला, एस.आर. और शर्मा, एस.के. (2004) : स्टडिज ऑन डाइइलैक्ट्रिक प्रोपर्टिज ऑफ सम प्लान्टेशन ग्रोन टिम्बर स्पीसिज एंड कम्प्यूटेशन ऑफ दीयर आयोनाइजेशन इनर्जी। जे. टिम्बर डी. एसो. (इंडिया) वाल्यूम 50 (3 व 4) : 50–59।

61. शुक्ला एस.आर.; कोठियाल वी; राव., आर. वी. और नेगी, ए. (2004) : इन्ट्रा एंड इन्टर ट्री वैरिएशन इन

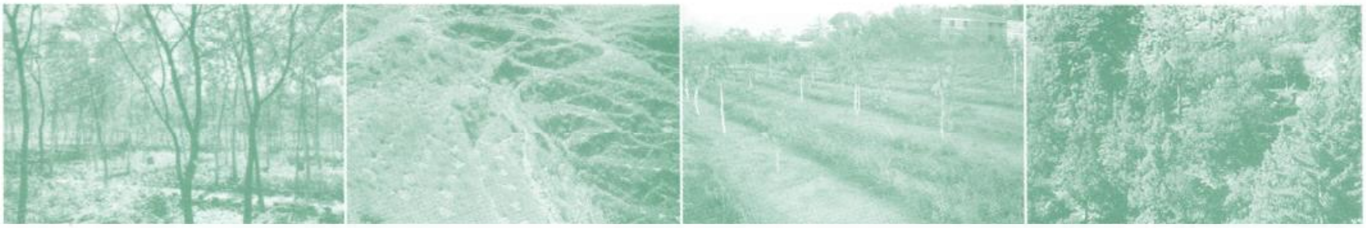

फीजिकल एंड स्ट्रैन्थ प्रोपर्टिज ऑफ यूकेलिप्टस टेरेटिकॉर्मिस। जे. इन्ड. एकडे. वुड. साई. वाल्यू 1 (एन. एस.) : 89—102।

62. शुक्ला, एस. आर. ; राव, आर. वी; कुमार, पी.; कोठियाल, वी.; सुधीन्द्र, आर. मुर्थी, एन.सी. माघव, अम्बादी और अमानुल्ला, बी.के. मोहम्मद (2004) : वुड क्वालिटी ऑफ फिफ्टीन ईयर ओल्ड ऐकेशिया ऑरिकूलिफॉर्मिस ऑफ नोन सीड ओरिजन एंड इट्स, कम्पैरिजन वीद दी ट्रीज ऑफ अननोन सीड ओरिजन। आई पी आई आर टी आई, बंगलौर द्वारा आयोजित 17 दिसम्बर 2004, को सम्पन यांत्रिकीकृत काष्ठ, बांस और अन्य लिग्नोकोशाध्विक द्वारा काष्ठ प्रतिस्थापना पर राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत शोधपत्र (पोस्टर)।

63. श्रीनिवास, व्हाई. बी.; कुमार, अरुण, ए.एन. और प्रथापन , के.डी. (2004) : कैनोपी आर्थोपोड्स ऑफ वेटीरिया इन्डिका एंड डिप्टीरोकार्पस इन्डिकम इन दी रेन फारेस्ट ऑफ वेस्टर्न घाट साउथ इंडिया। करेन्ट साइंस, 86 (10) : 1420—1426।

64. श्रीवास्तव, ए; राठौर टी. एस; पाण्डे, जी; कुमार, अरुण ए.एन. और नैनामाली, आर. (2004) : ट्री इम्प्रूवमेन्ट स्टेटस एंड फ्यूचर स्ट्रैटीजिज ऑफ सम इम्पोर्टेन्ट मल्टिपरपज ट्री स्पीसिज ऑफ कर्नाटक। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक सम्पन्न उष्णकटिबंधी में बहुउद्देशीय वृक्ष— वृद्धि, मूल्यांकन और प्रबंध पर यूफरो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में।

65. सुन्दरराज, आर. और डेविड, बी. वी. (2003) : मासिलियूरोडस होमोनोइ (जीसूदासन व डेविड) काम्ब. नव. (एलीरोडिडा : होमाप्टीरा) एन्टोमॉन, 28 (4) : 371—372।

66. सुन्दरराज, आर. और दुबे, ए.के. (2003): व्हाइट फ्लाइज़ (हेमिप्टीराः एलीरोडिडा) एसोसिएटेड वीद सन्दल (सेन्टेलम एल्बम एल.) इन साउथ इंडिया, एन्टोमॉन, 28 (4): 293—298।

67. सुन्दरराज, आर. मुथुकृष्णन, राजा और रीमादेवी, ओ.के. (2004): पैस्ट मैनेजमेन्ट पोटेन्शियल ऑफ पोंगेमिया पिन्नाटा पिएरी। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक सम्पन्न" उष्णकटिबंधीय में बहुउद्देशीय वृक्ष प्रजाति मूल्यांकन, वृद्धि और प्रबंध पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।

68. सुन्दरराज, आर.; रीमादेवी, ओ.के. और मुथुकृष्णन, राजा (2004): सम प्लान्ट प्रोडक्ट्स ऐज एन्टिफीडेन्ट्स अगेंस्ट दी टीक डीफॉलिएटर्स हीठलीया व्यूरा क्रेयर (लीपिडोप्टीक्ष पाइरोलिडा)। एन फॉर 12 (2) : 273—277।

69. सुन्दरराज, आर.; रीमा देवी, ओ.के और मुथुकृष्णन, राजा (2004) : इफीकेसी ऑफ रबर वुड इम्प्रीग्नेटेड वीद सम इन्सेक्टिसाइट अत्रेंस्ट सबटैरेनीयन टरमाइट्स। काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर में 20 और 21 अक्टूबर, 2003 को सम्पन्न भारत में काष्ठ परिरक्षण चुनौतियां, सुअवसर और रणनीतियां पर राष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यवाही।

70. ताराकनाधा, बी; राव, एम.वी; बालाजी, एम; अग्रवाल, पंकज के. और राव. के. एस. (2005) : यूटिलिटी, डीटीरिओरेशन एंड प्रीजरवेशन्न ऑफ मैराइन टिम्बर इन इंडिया। आई आर जी सम्मेलन के लिए स्वीकार्य शोधपत्र (डॉकं नं0 आई आर जी / डब्ल्यू पी 05—40314)।

71. तारकनधा, बी. ; अग्रवाल, पंकज, के. और राव, के. एस. ; इन्फलूएन्स ऑफ वाटर रीपीलैण्ट्स ऑन दी परफारफारमेन्स ऑफ सी सी ए ट्रीटेड वुड इन ए ट्रापिकल मैराइन एन्वायरमेन्ट क्योटा विश्वविद्यालय, जापान में 24 से 26 नवम्बर, 2004 तक सम्पन्न काष्ठ सतह और परिष्करण पर तीसरी अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही, पी.पी. 251—258।

72. त्यागराजन, के.एस.; शंकरनारायण, के. एच.; प्रभू, वी. वी. और रविकुमार, जी. (2004) : ऑब्जरवेशन आन सम फीजिको कैमिकल कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ वेवी एंड स्ट्रेट ग्रेन्ड टेरोकार्पस सेन्टेलिनस—रेड़ सैन्डर्स जे. इन्ड. एकेड. वुड. साइंस, वाल्यू. 1, 7—9।

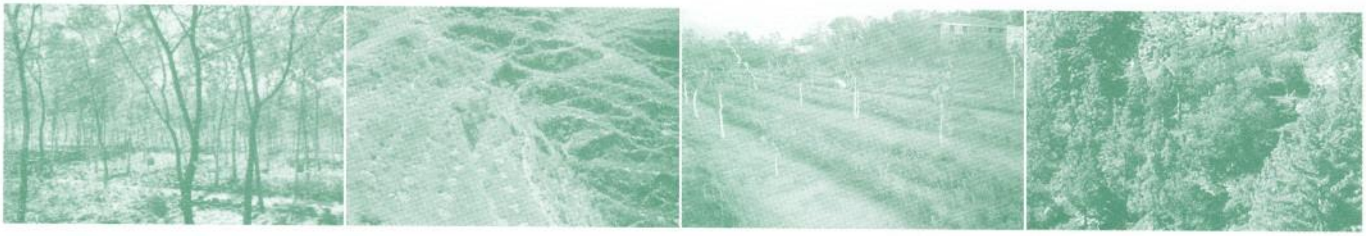

73. वोनमलार, डी. : प्रीजरवेटिव ट्रीटमेंट ऑफ ग्रीन रैटन : सम प्रीलिमिनेरी इन्वोस्टिगेषन। भारत में काष्ठ परिरक्षणः चुनौतियां, सुअवसर एवं रणनीतियां पर राष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यवाही।

74. विजेन्द्र राव, आर. और सुजाथा, एम. (2004) : वेरिएशन इन बेसिक डैनसिटी एंड एनाटाकिकल प्रोपर्टिज ऑफ प्लान्टेशन ग्रोन ऐकेशिया मैन्जियम। जे. टिम्बर, डिव, एसो. (इंडिया) वाल्यू. 50 (3 व 4). 12–17।

75. विजेन्द्र राव, आर; शशिकला, एस.; कुमार. पी.; शर्मा, एस.के. और सुधीन्द्र; आर. (2004) : कल्म क्वालिटी ऑफ स्यूडोऑक्सीटीनेन्थीरा स्टॉकी। आइ.पी.आई.आर. टी.आई., बंगलौर द्वारा आयोजित 17 दिसम्बर, 2004 को सम्पन्न यान्त्रिकीकृत काष्ठ, बाँस और अन्य लिग्नोकोशाध्विक द्वारा काष्ठ प्रतिस्थापन पर राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत शोधपत्र।

76. विश्वनाथ, एस.; पेडप्पया, आर.एस. और राठौर, टी.एस. (2004) : इनहैन्सिग बायोमास प्रोडक्टिविटी ऑफ एम. पी.टीज़ इन एग्रोफॉरेस्ट्री सीस्टम्स इन सदरन इंडिया। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक उष्णकटिबंधी में बहुउद्देशीय वृक्ष : मूल्यांकन, वृद्धि और प्रबन्ध पर यूफरो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में ।

उ.व.अ.सं., जबलपुर

1. एरगल, ए.; शाह, ऐ.के; वानिता, बी. और दिलराज, आई.टी.के. (2004): सफेद मूसली (क्लोरोफाइटम बोरिविलिएनम) ए मैडिसिनल प्लांट फॉर प्रोवाइडिंग एडिशनल इन्टरमिटेन्ट इन्कम अंडर टैक्टोना ग्रैन्डिस (टीक)। 24 से 29 जनू, 2004 तक सम्पन्न विश्व कृषिवानिकी कांग्रेस, फ्लोरिडा, यू.एस.ए. में स्वीकार्य।

2. बेरी, एन. और एरगल, ए. (2004): लाखः एक अतिरिक्त आय का साधन। सीम्बायोसिस अरण्योत्सवः 64–65 पी.पी. पब. एम.एफ.पी. फैडरेशन, जबलपुर।

3. भौमिक, ए.के.; सेठ, आर.; जैन, ए. और बनर्जी, एस.के.: इम्पैक्ट ऑफ इको–रीस्टोरेशन ऑन डीग्रेडेड फॉरेस्ट्स ऑफ निवास, वेस्ट मांडला डिविजन (एम.पी.)। इण्डियन एग्री.– स्वीकार्य।

4. डडवाल, बी.एस. और जमालुद्दीन (2004): कल्टिवेशन ऑफ गेनोडर्मा लेसिडम (एफ.आर.) कर्स्ट। इंडियन फॉरेस्टर, 130 (4): 435–440 ।

5. जमालुद्दीन, एम.के.; गोस्वामी और ओझा, बी.एम. (2004): फंगी ऑफ इंडिया–2004 (1989–2001); मैसर्स साइंटिफिक पब्लिशर्स, जोधपुर, 2003 ।

6. जमालुद्दीन, सोनी, के.के. और तुर्केनी, डी. (2004): रोल ऑफ फंगी इन एबोर्टिवनेस ऑफ टीक फ्रूट्स। टीकनेट, 33: 1–2 ।

7. कुलकर्णी, एन.; जोशी, के.सी. और शुक्ला, पी.के. (2004): इन्टिगरेटेड इन्सेक्ट पैस्ट मैनेजमेंट ऑफ फॉरेस्ट इन्सैक्ट पैस्ट। पी.पी. 370–410। कन्टैम्पोरेरी ट्रेन्ड्स इन एन्टोमोलॉजी में (सम्पा. गूजर, जी.टी.), कैम्पस बुक, नई दिल्ली।

8. कुलकर्णी,एन.; त्रिपाठी, एस. और जोशी, के.सी. (2004): कैरोमल एक्टिविटी ऑफ कम्पाउन्ड्स आइसोलेटेड फ्रॉम बार्क ऑफ स्पल (शोरीया रॉबुस्टा गेर्ट एफ) फॉर अट्रैक्टिंग दी साल हर्टवुड बोरर, होप्लोसीरेम्बीक्स स्पिनिकॉर्निस न्यूमैन (कॉलीओप्टीरा : सीरेम्बीसिडा)। इंडियन जॉरनल ऑफ फॉरेस्ट्री, 27(3): 321–325 ।

9. नाथ, वी. (2004): रीकमन्डेशन ऑफ दी नेशनल वर्कशाप ऑन रीजनल स्ट्रैटीजी फॉर प्लान्ट कन्जरवेशन, टी.एफ. आर.आई., जबलपुर, मई, 2004, पी. 1–29 (तकनीकी बुलेटिन)।

10. नाथ, वी.; राय, राजीव और बनर्जी, एस.के. (2005): बायोडाइवर्सिटी कन्जरवेशन इन मैन मेड एंड नेचुरल टैरीस्टरियल इको. सीस्टम। एन्वायरमेन्टल सीनारियों इन इन्डिया में, सम्पादित– डा. पंकज श्रीवास्तव, प्रकाशक– केमर एंड ससटेनेबल डवलपमेन्ट सोसाइटी, जबलपुर।

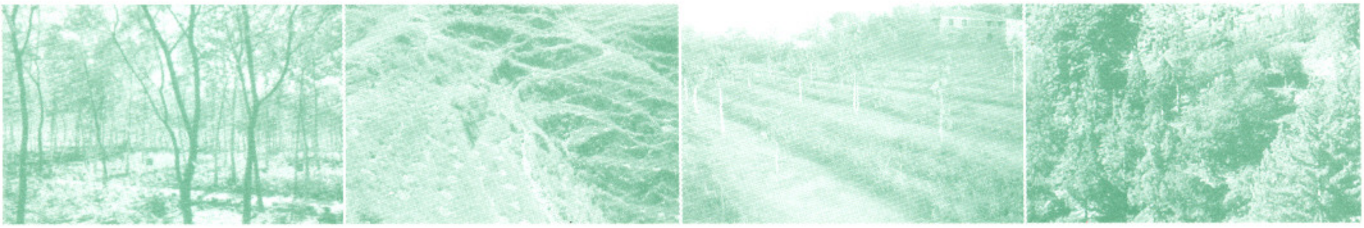

11. पाण्डे, ए.के. और शुक्ला, पी.के. (2004): स्टडिज ऑन दी प्रोपेगेशन मैथड्स ऑफ अश्वगंधा (विथानिया सोम्निफेरा दुनाल)। जॉरनल ऑफ नॉन–टिम्बर फॉरेस्ट प्रोडक्ट्स, 11(2): 131–134 ।

12. राय, एम.के.; वर्मा, अजित और पाण्डे, ए.के. (2004): एन्टिफंगल पोटेन्शियल ऑफ स्पिलेन्थस काल्वा आफ्टर इनऑकूलेशन ऑफ पिरिफॉरमोस्पोरा इन्डिका, माइकोसस, 47(11–12): 479–481 ।

13. राय, राजीव और नाथ, वी. (2005): हर्बल मैडिसिन इनक्योर ऑफ प्रोवेलेन्ट डिजीजेज इन ट्राइवल पॉकेट्स : ऑफ मध्य प्रदेश, आइसिड, एस.एफ.आर.आई., जबलपुर, पी : 74।

14. राय, राजीव और नाथ, वी. (2005): रोल ऑफ इथनिक एंड इन्डिजीनस कम्यूनिटी इन कन्जरवेशन ऑफ बायोडाइवर्सिटी इन सेन्ट्रल इंडिया। एन्वायरमेन्टल सीनारियों इन इंडिया, सम्पादिता– डा. पंकज श्रीवास्तव, प्रकाशक– केयर एंड ससटेनेबल डवलपमेन्ट सोसाइटी, जबलपुर।

15. राय, राजीव और नाथ, वी. (2005): सम लैसर नोन ओरल हर्बल कन्ट्रासेप्टिक्स इन फाक क्लेम इन बस्तर रीजन ऑफ छत्तीसगढ़ (यह शोधपत्र जॉरनल ऑफ नेचुरल रैमीडिज में स्वीकार हुआ है)।

16. राय चौधरी, एन; सम्बथ, एस. और जोशी, के.सी. (2004): गिर्थ क्लास ऑफ साल ट्रीज प्रोन टू दी अटैक ऑफ हार्टवुड बोरर, होप्लोसीरेम्बीक्स स्पिनिकार्निस न्यूमैन (कालीओप्टीरा : सीरेम्बीसिडा) इंडियन फोरेस्टर, 130 (12): 1404–1409।

17. साहू, टी.के.; मिश्रा टी.के.; जैन, ए. और बनर्जी, एस.के. (2004): इम्पैक्ट ऑफ डिफरेन्ट मैनेजमेन्ट सीस्टम ऑन बायोडाईवर्सिटी कन्जरवेशन : ए केश स्टडी। इंडियन फोरेस्टर, 130 (9). 991–1007।

18. शदांगी, डी.के. और नाथ, वी. (2005): इम्पैक्ट ऑफ सीजन्स ऑन ग्राउन्ड फ्लोर अंडर प्लान्टेशन एंड नेचुरल फोरेस्ट इन अमरकंटक। इंडियन फोरेस्टर, 131(2): 240–250 ।

19. शदांगी, डी.के. और नाथ, वी. (2005): इन–सिटू कन्जरवेशन ऑफ बायोडाइवर्सिटी थ्रो प्रीजरवेशन प्लांट्स, प्रोसीडिंग्स, आइबिड, एस.एफ.आर.आई., जबलपुर, पी : 18 ।

20. शर्मा, एन. और जोशी, के.सी. (2004): एन्टोमोपैथोजनिक फंगी अटैकिंग साल हर्टवुड बोरर, होप्लोसीरेम्बीक्स स्पिनिकॉर्निस न्यूमैन। इंडियन जे. फोरेस्ट्री, वाल्यू. 27(2): 133–140 ।

21. सिंह, आर.बी.; एरगल, ए. और बनर्जी, एस.के. (2004): वैजीटेशन डाइवर्सिटी एंड स्पेटियल स्वायल वैरीएबिलिटी इन डिफरेन्ट इकोसीस्टम इन टीक साल ट्रांजिसन जोन। इको.एन. 2 कन्ज. 10(4): 479–486।

22. सिंह, योगेन्द्र; वर्मा, आर.के. और जमालुद्दीन (2003): कम्बिनेशन्स ऑफ बायोकन्ट्रोल एजेन्ट्स, आर्गेनिक मैटर, एंड बायोफर्टिलाइजर्स टू सपरेस फ्यूजेरियम बिल्ट एंड इम्प्रूव ग्रोथ मेलाइना आर्बोरिया सीडलिंग्स। इंडियन जार. ट्रापि. बायोडा. 11(1–2): 74–84।

23. सोनी, के.के. और जमालुद्दीन (2004): मौर्टेलिटी ऑफ कैज्वारिना इक्विसिटिफोलिया, इन क्लोनल सीड ऑर्चार्ड इन तमिलनाडु, इंडिया। जॉरनल ट्राप. फॉर. साई. 16(1): 132–135।

24. सोनी, के.के.; डडवाल, वी.एस. और जमालुद्दीन (2004): फोमोप्सिस कॉजिंग कैंकर इन फ्लावरिंग टिवग्स ऑफ टीक, टीकनेट, 32 : 1–3 ।

25. वर्मा, आर.के. और जमालुद्दीन (2004): रीस्पान्स ऑफ आर्बूस्कूलर माइकोराइजल फंगी इन कम्बिनेशन ऑन ग्रोथ एंड न्यूट्रिएन्ट अपटेक इन बम्बूसा न्यूटन्स। इंडियन फारेस्टर, 130(2): 181–186 ।

26. वर्मा, आर.के.; सोनी. के.के.; शर्मा निधि और जमालुद्दीन (2004): फंगल डाइवर्सिटी इन फोरेस्ट्स ऑफ सतपुड़ा प्लेटू एंड वाणगंगा वैली ऑफ सैन्ट्रल इंडिया। एडवान्सेस इन फंगल डाइवर्सिटी एंड होस्ट पैथोजन इन्टरएक्शन

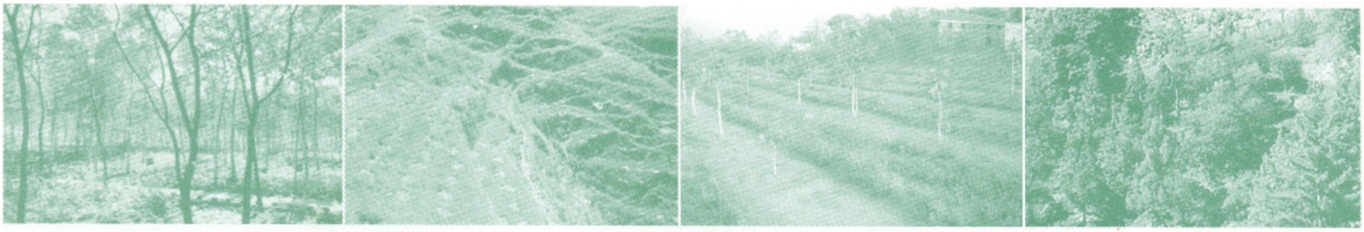

में, पी. 43, 26 वी एन कान्फ. एंड सीम्पो.– आई.एस. एम.पी.पी. गोवा विश्वविद्यालय, गोवा, इंडिया 7 से 9 अक्टूबर, 2004।

27. यूसूफ, एम., जोशी, के.सी. और कुलकर्णी, एन. (2004): ट्राइकोग्रेमा : दी नोबेल ऐग पैरासिट्वाइड्स, दीयर सक्सेस एण्ड पोटेन्शियल इन बायोलॉजिकल कंट्रोल ऑफ इन्सैक्ट पैक्ट्स। कम्टेम्पोरेरी ट्रेन्ड्स इन इन्सैक्ट साइंस में, (सम्पा. जी.टी. गूजर) पी.पी. 307–369, कैम्पस बुक इन्टरनेशनल, नई दिल्ली, पी. 424 ।

व.व.अ.सं., जोरहाट

1. बोरा, आई.पी.; बरूआ, ए. और सिंह, जे. (2004): इवेलूएशन ऑफ लोकल राइजोबियल आइसोलेट्स फॉर दीयर इफिसिएन्सी इन ग्रोथ, नॉडूलेशन एण्ड बायोमास प्रोडक्शन इन सेमानिया सेमन सीडलिंग्स, इन्डि.ले.फॉरेस्ट्री, 27 (2): 193–199।

2. कालिता, आर.के.; बोरा, डी.पी. और दत्ता, डी. (2004): एसोसिएशन्स ऑफ आर्बूस्कूलर माइकोराइजा वीद ट्वन्टी बायोमास स्पीसिज इन असम, इंडियन फॉरेस्टर, 130: 699–704 ।

3. पटनायक, एस.; पाठक, के.सी.; भुयान, टी.सी.; खोबरागडे, एन.; दास,पी. और प्रसाद, के.जी (2004): मैन्सुरेशनल स्टडीज इन मीलोकाना बेसिफेरा। जॉरनल ऑफ ट्रापिकल फोरेस्ट साइंस, 16(1):62–70।

4. शर्मा, के.के. और पाठक, के.सी. (2004): लीफ एण्ड कल्म शीथ मॉर्फोलॉजी ऑफ समइर्म्पोटैन्ट बैम्बू स्पीसिज ऑफ असम। जे. बैम्बू. एंड रैटन, वाल्यू. 3, न. 3, पी.पी. 265–281।

5. सिंह, ए.एन.; बोराह, टी.आर.; शर्मा, जी.एस. (2004): शूट ब्लाइट डिजीज काजिंग मीनेस इन होलांग नर्सरी। दी इंडियन फॉरेस्ट, देहरादून में प्रकाशन के लिए स्वीकार।

6. सिंह, ए.एन.; बोराह, टी.आर.; शर्मा, जी.एस. और बोराह, एन.जे. (2004): नर्सरी डिजीज ऑफ डिप्टीरोकार्पस रीटूसस। दी इंडियन फॉरेस्टर, 130 (7): 742–748 ।

7. सिंह, जे. और बरूआ, कुन्ताला, एन. (2004): बायोलॉजिकल स्पेक्ट्रम ऑफ सम हिल झूम फैलो कम्यूनिटिज ऑफ असम। एन.फॉर., 12(1): 65–72 ।

8. सिंह, जे.; बरूआ, ए. और बोरा, आई.पी. (2004): इफैक्ट् आन ग्रीन मैन्यूरिंग एंड इनआर्गेनिक फर्टिलाइजर इन स्वॉयल प्रोपर्टिज यील्ड। जे.नान–टिम्बर फॉरेस्ट प्रोडक्ट्स, 1(4): 11–14 ।

9. सिंह, जे.; बरूआ, कुन्ताला,एन. और हजारिका, पी.: एनालीसिस ऑफ प्लान्ट कम्यूनिटिज़ टयूरिंग सैकेन्ड्री सक्सेसन आफ्टर "झूम ऐट कार्बि एंगलांग डिस्ट्रिक्ट, नार्थ–ईस्ट इंडिया। इन्डि. फॉरे. वाल्यू. 27(1). 83–87 ।

10. सिंह, ओमबीर; जसवीर और भुयान, टी.सी. (2004): इस्टैबलिशमैन्ट ऑफ सीड प्रोडक्शन एरिया ऑफ खासीपाइन (पाइनस केसिया) इन मेघालय थ्रो इम्प्रूव्ड टैक्नीक, इंडियन फॉरेस्टर, 130 (6): 697–698।

11. ठाकुर, अजय; शर्मा, पी.; दास, एल. और सिंह, ए.एन. (2004): एल्बिनों सीडलिंग इन डिप्टीरोकार्पस रीटूसस : ए न्यू रिकार्ड। इंडियन फॉरेस्टर में प्रकाशन के लिए स्वीकार्य।

शु.व.अ.सं., जोधपुर

1. अहमद, एस. आई, और कुमार शिवेस (2004): बायोलॉजी एण्ड इफिकेसी ऑफ टेट्रास्टिकस स्पिरेबिलिस एण्ड यूपीलमस स्पी., दी पोटेन्शियल बायोकन्ट्रोल एजेन्ट्स ऑफ गाल फार्मिंग इनसैक्ट्स ऑफ प्रोसोपिस सिनरेरिया (एल.) ड्रूस। यह शोधपत्र शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक आयोजित उष्णकटिबंधी में बहुद्देशयी वृक्षः मूल्यांकन, वृद्धि और प्रबन्ध पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

2. आर्या, रंजना (2004): इफैक्ट ऑफ प्लान्ट स्पीसिज ऑन स्वॉयल प्रोपर्टिज अंडर इरिगेटेड कन्डिसन्स इन हॉट एरिड रीजन्स ऑफ इंडिया। यह शोधपत्र शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर 22 से 25 नवम्बर,

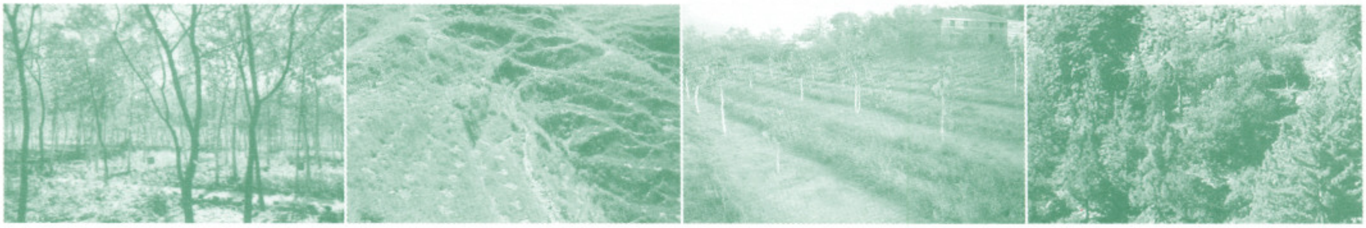

2004 तक सम्पन्न उष्णकटिबंधी में बहुउद्देशीय वृक्षों पर यूफरो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

3. आर्या, रंजना और लोहरा, आर.आर. (2004): ग्रोथ एण्ड बायोमास यील्ड फ्राम सल्वाडोरा पर्सिका वीद मैनेजमेन्ट प्रैक्टिसेज ऑन साल्ट एफैक्टेड स्वायल अंडर हॉट एरिड कन्डिसन्स इन इंडिया। यह शोधपत्र शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक सम्पन्न उष्णकटिबंधी में बहुउद्देशीय वृक्षों पर यूफरो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

4. आर्या, रंजना और लोहरा, आर.आर. (2004): यूटिलाइजेशन ऑफ डीग्रेडेड एरिड साल्ट लैण्ड्स वीद डिफरेन्ट मैनेजमेन्ट प्रैक्टिसेज। यह शोधपत्र 20 जनवरी, 2004 को वन उत्पादकता संस्थान रांची में मानवोद्भवी दबाव और निम्नीकरण के तहत भूमियों के सुधार पर राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत किया गया।

5. आर्या, रंजना; राठौर, माला और श्रीवास्तव, आर.एल. (2004): चेन्जेज इन प्रोटीन कन्सनट्रेशन इन वेरियस प्लान्ट पार्ट्स ऑफ सल्वाडोरा पर्सिया अंडर दी इन्फ्लुएन्स ऑफ जीप्सम एण्ड नाइट्रोजन इन एरिड साल्ट एफैक्टेड स्वॉयल्स। रसायन विभाग, जे.एन.वी. विश्वविद्यालय, जोधपुर में 29 नवम्बर से 1 दिसम्बर, 2004 तक सम्पन्न विश्लेषणात्मक रसायन में रूझानों पर यू.जी.सी. सेमिनार में यह शोधपत्र प्रस्तुत किया गया।

6. बाला, एन.; कुमार, प्रमोद; कुरदरम और सिंह, जी. (2004): पावर्टी एलीवेशन एण्ड रीसोर्स रीस्टोरेशन थ्रो क्म्यूनिटी पार्टिसिपेशन। 28, फरवरी से 5 मार्च, 2005 तक सम्पन्न होने वाले 17वें राष्ट्रमण्डल वानिकी सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

7. बाला, एन.; कुमार प्रमोद; सिंह, जी. (2004): फॉरेस्ट इन्फ्लूएन्स वाटर रीजम। व.अ.सं., देहरादून में 8 से 10 जून, 2004 तक सम्पन्न वन और जल संरक्षणः काल्पनिकताएं एवं वास्तविकताएं पर राष्ट्रीय कार्यशाला में।

8. चौधरी, पी. और तिवारी, वी.पी. (2004): यूज वैल्यू– ए केश स्टडी ऑफ महात्मा गाँधी मैरिन नेशनल पार्क, अण्डमान एवं निकोबार आइसलैण्ड, इंडिया। यह शोधपत्र शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, में 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक आयोजित उष्णकटिबंधी में बहुउद्देशीय वृक्षः मूल्यांकन, वृद्धि और प्रबन्ध पर यूफरो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

9. चौधरी, के.के.; मिश्रा, डी.के.; सिंह, वेदपाल और शुक्ला, जे.के. (2004): एनालाइजिंग दी एवेलेबिलिटी ऑफ मैडिसिनल प्लान्ट्स एण्ड दीयर एक्सपोर्ट पोटेन्शियल इन इंडिया। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक सम्पन्न उष्णकटिबंधी में बहुउद्देशीय वृक्षों पर यूफरो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत।

10. चौधरी, के.के. ; मिश्रा, डी.के.; सिह, वेदपाल और शुकला, जे.के. (2004): हारनेसिंह थार बायोडाइवर्सिटी फॉर मेडिसिनल यूजेज। व.अ.सं., देहरादून में 8 से 10 मार्च, 2004 तक अल्प ज्ञात वृक्ष प्रजातियों का संरक्षण एवं सतत् उपयोजन पर राष्ट्रीय कार्यशाला में।

11. चौकियाल, एस.पी. और पोखरियाल, टी.सी. (2004): इफैक्ट्स ऑफ नाइट्रोजन ट्रीटमेन्ट एण्ड सीजनल वैरिएशन ऑन ग्रोथ एण्ड बायोमास प्रोडक्शन एन पोंगेमिया पिन्नाटा पिरी सीडलिंग्स। शुष्क व.अ.सं. में 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक सम्पन्न यूफरों सम्मेलन में प्रस्तुत।

12. गौड़, वी.के.; इमैनुअल, सी.जे.एस.के. और कान्त, तरूण (2004): डायरेक्ट इन–विट्रो शूट मौर्फोजेनीसिस इन डीजर्ट डेट (बैलेनाइट्स) फ्राम रूट सीगमन्ट्स। यह शोधपत्र शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक आयोजित उष्णकटिबंधी में बहुउद्देशीय वृक्षः मूल्यांकन, वृद्धि और प्रबन्ध पर यूफरो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

13. जैन, एस.एच. और आर्या, रंजना (2004): यूटिलाइजेशन ऑफ प्लान्टेशन ग्रोन टिम्बर स्पीसिज़ वीद एप्लिकेशन ऑफ एप्रोप्रिएट पोस्ट हार्वेस्ट टैक्नोलॉजी टू सबस्टिट्यूट

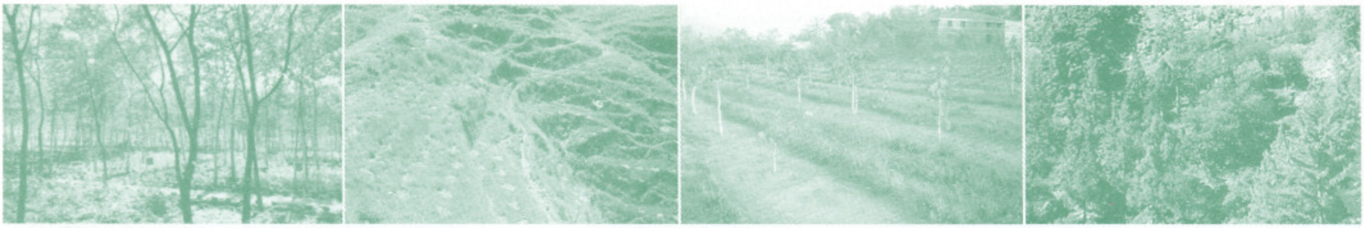

ट्रेडिशनल टिम्बर इन एरिड/सेमी एरिड रीजन। आई.पी.आई.आर.टी.आई, बंगलौर में 17 दिसम्बर, 2004 को सम्पन्न यांत्रिकीकृत काष्ठ, बांस तथा अन्य लिग्नोकोशाध्विकों द्वारा काष्ठ प्रतिस्थापन पर राष्ट्रीय सेमिनार।

14. जैन, एस.एच.; आर्या, रंजना और चौधरी, के.के. (2004): रेशनल यूटिलाइजेशन ऑफ प्लान्टेशन ग्रोन लैसर नोन टिम्बर स्पीसिज। व.अ.सं. संस्थान, देहरादून में 8 से 10 मार्च, 2004 तक अल्पज्ञात वृक्ष प्रजातियों का संरक्षण एवं सतत् उपयोग पर राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रस्तुत।

15. जैन, एस.एच.; कुमार हेमंत; आर्या, रंजना और चौधरी, के.के. (2004): संदल (सेन्टेलम एल्बम एल.) ए हाई वैल्यू ट्री स्पीसिज पोटेन्शियल मल्टिपरपज ट्री ऑफ एरिड/सेमि–एरिड रीजन। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक सम्पन्न उष्णकटिबंधी में बहुउद्देशीय वृक्षों पर यूफरो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत।

16. मिश्रा, डी.के.; शुक्ला, जे.के. और श्रीवास्तव, आर.एल. (2005): रेट एण्ड थ्रीटेन्ड मेडिसिनल प्लान्ट्स ऑफ राजस्थान एण्ड दीयर कन्जरवेशन कन्सर्न। राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में 23 से 25 फरवरी, 2005 तक सम्पन्न संकटस्थ वन्य औषधीय पादपों और उनके आवासों के मूल्यांकन, संरक्षण, और प्रबन्ध में उभर रही प्रौद्योगिकियां और उनके उपयोग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत शोधपत्र।

17. प्रजापति, एस.एस.; इमैनुअल, सी.जे.एस.के. और कान्त, तरूण (2004): माइक्रोप्रोपेगेशन ऑफ एन इन्डैन्जर्ड मैडिसिनल ट्री स्पीसिज ऑफ दी एरिड जोन: कामिफोरा विघटी। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक आयोजित उष्णकटिबंधी में बहुउद्देशीय वृक्षः मूल्यांकन, वृद्धि और प्रबन्ध पर यूफरो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।

18. राठौड़, माला; और मीणा, राजेन्द्र (2004): ट्रीज आउटसाइड फॉरेस्ट ऐज के सोर्स ऑफ लीफ प्रोटीन कन्सन्ट्रेट फूर इम्प्रूविंग न्यूट्रिशन। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक सम्पन्न उष्णकटिबंधी में बहुउद्देशीय वृक्षः मूल्यांकन, वृद्धि और प्रबन्ध पर यूफरो अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।

19. राठौड, माला; आर्या, आर.; मीणा, राजेन्द्र; चौधरी, के.के. (2004): पोटेन्शियल ऑफ सम लैसर नोन ऑयल सीड ट्री स्पीसिज़ फ्राम इंडियन एरिड जोन। व.अ.सं. संस्थान, देहरादून में 8 से 10 मार्च, 2004 तक "अल्पज्ञात वृक्ष प्रजातियों के संरक्षण एवं सतत् उपयोजन" पर राष्ट्रीय कार्यशाला में।

20. सिंह, जी. और राठौड, टी.आर. (2004): लाइसिमेट्रिक स्टडी ऑफ स्वॉयल वाटर यूटिलाइजेशन बाई ट्री सीडलिंग्स इन एरिड एन्वायरमेन्ट। व.अ.सं., देहरादून में 8 से 10 जून, 2004 तक सम्पन्न "वन और जल संरक्षणः काल्पनिकताएं एवं वास्तविकताएं" पर राष्ट्रीय कार्यशाला में।

21. सिंह जी. और सिंह, विलास (2004): बायोमास प्रोडक्शन एण्ड वाटर यूज इन डैल्बर्जिया सिस्सू सीडलिंग्स इन रीलेशन टू स्वॉयल वाटर स्ट्रैस। शु.व.अ.सं., जोधपुर में 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक यूफरो सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।

22. सिंह, जी.; राठौड, टी.आर.; मुथा, एस.; उपाध्याय, एस. और बाला, एन. (2004): ट्री एसोसिएटेड डाइवर्सिटी एण्ड प्रोडक्टिविटी ऑफ वेजीटेशन रीकवर्ड आफ्टर ए सीवियर ड्राट इन इंडियन डीजर्ट। शु.व.अ.सं., जोधपुर में 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक सम्पन्न यूफरो सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।

23. श्रीवास्तव, के.के.; थंगामणी, डी और वर्मा, नीलम (2004): एन्टागोनिस्टिक एक्टिविटी ऑफ ए.एम. फंगी अगेंस्ट फ्यूजेरियम बिल्ट डिजीज ऑफ रोहिडा (टेकोमेला अण्डूलाटा एस.एम.सीम.)। सूक्ष्मजैविकी विभाग, करपगम

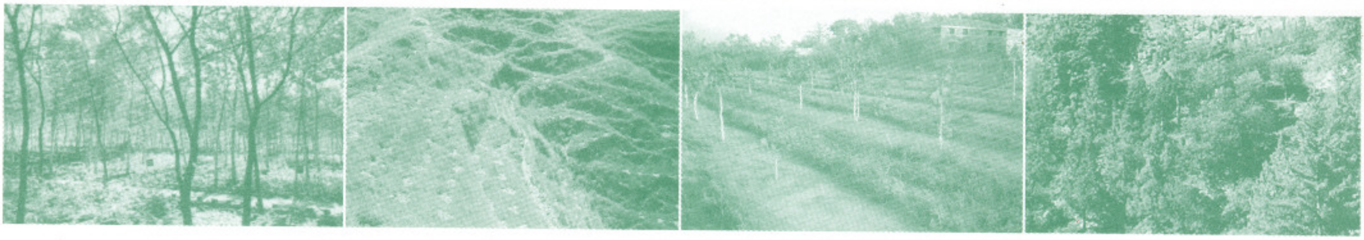

कला एवं विज्ञान महाविद्यालय। कोयम्बटूर में 9 और 10 जनवरी को आयोजित "मानव मे लिए जीवाणु" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।

24. श्रीवास्तव, के.के.; वर्मा, नील और थंगामणी, डी. (2004): माइकोराइजल डीपेन्डेन्सी (एम.डी.) ऑफ सम मल्टिपरपज ट्री स्पीसिज (एम.पी.टीज) और एरिड जोन। यह शोधपत्र शु.व.अ.अं.सं. जोधपुर में 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक आयोजित उष्णकटिबंधी में 'बहुउद्देशीय वृक्षः मूल्यांकन, वृद्धि और प्रबन्ध पर अन्तर्राट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

25. श्रीवास्तव, आर.एल.; बाला. एन. और सिंह, जी. (2004): बायोलॉजिकल पम्प्स टू रीक्लेम वाटरलॉग्ड एरीयाज़ एण्ड टू रीड्यूस स्वॉयल सेलेनिटी। व.अ.सं., देहरादून में 8 से 10 जून, 2004 तक सम्पन्न "वन और जल संरक्षणः काल्पनिकताएं एवं वास्तविकताएं पर राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रस्तुत।

26. श्रीवास्तव, आर.एल.; चौधरी, के.के.; मीणा, आर.एल.; मिश्रा, डी.के. और शुक्ला, जे.के (2004): इम्पोर्टेन्ट मेडिसिनल प्लान्ट्स ऑफ थार डेजर्ट, कल्टिवेशन एण्ड मार्केट पोटेन्शियल। नई दिल्ली में 25 से 29 अक्टूबर, 2004 तक औषधी एवं सुरभित पादपों पर द्वितीय विश्व सम्मेलन में प्रस्तुत।

27. तिवारी, वी.पी. (2004): इन्डिविजुअल ट्री ग्रोथ मॉडल्स फॉर ऐन एलन्थस एक्सल्सा रॉक्सब. प्लान्टेशन इन दी हॉट एरिड रीजन ऑफ इंडिया। शु.व.अ.सं., जोधपुर में 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक सम्पन्न "उष्णकटिबंधी में बहुउद्देशीय वृक्षः मूल्यांकन, वृद्धि और प्रबन्ध" पर यूफरों अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।

28. थंगामणी, डी. और श्रीवास्तव, के.के. (2004): प्योरिफिकेशन एण्ड कैरेक्टराइजेशन ऑफ सिंगल सैल प्रोटीन फ्राम एस्परजिलस वील्टी। जैवप्रौद्योगिकी और सूक्ष्म जैविकी विभाग, करपगम कला और विज्ञान महाविद्यालय, कोयम्बटूर में 11 और 12 सितम्बर, 2004 को सम्पन्न "स्वास्थ्य के लिए जीनोमिक्स" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भेजा गया शोधपत्र।

29. थंगामणी, डी.; श्रीवास्तव, के.के. और वर्मा, नीलम (2004): नोवल एन्टिफंगल प्रोटीन फ्राम स्टेफीलोकोकस एयूरीयस अगेंस्ट मैक्रोफोमिना फेजिओलिना। सूक्ष्म जैविकी विभाग, करपगम कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, कोयम्बटूर द्वारा 9 और 10, जनवरी को आयोजित "मानव के लिए जीवाणु" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।

30. थंगामणी, डी.; श्रीवास्तव, के.के. और स्वामीनाथन, के. (2004): माइक्रोवियल जीन्स इन लांग टर्म मैनेजमेन्ट ऑफ सम मल्टिपरपज ट्री स्पीसिज़ (एम.पी.टी.एस)। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा 22 से 25 नवम्बर, 2004 तक आयोजित "उष्णकटिबंधी में बहुउद्देशीय वृक्षः मूल्यांकन, वृद्धि और प्रबन्ध" पर अन्तर्राट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र और सारांश प्रकाशित।

31. थंगामणी, डी.; श्रीवास्तव, के.के. और वर्मा, नीलम (2004): आइडेन्टिफिकेशन एण्ड प्योरीफिकेशन ऑफ एन्टिफंगल प्रोटीन्स फ्राम ट्राइगोनीला फोइनम ग्रेसीयम अगेंस्ट दी चारकोल रॉट काजिंग आर्गेनिज्म मैक्रोकोमिना फेजिओलिना। सूक्ष्म जैविकी विभाग, करपगम कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, कोयम्बटूर द्वारा 9 और 10, जनवरी को आयोजित "मानव के लिए जीवाणु" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र।

हि.व.अ.सं., शिमला

1. कपूर, के. एस. (2004) : बायोडाइवर्सिटी इन कोल्ड डीसर्ट्स ऑफ वेस्टर्न हिमालयाज' टैक्नोलॉजी इन्टरवेन्शन फॉर माउन्टेन इकोसीस्टम। विज्ञान और सोसाइटी प्रभाग का प्रकाशन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली– 17–21 पी.पी।

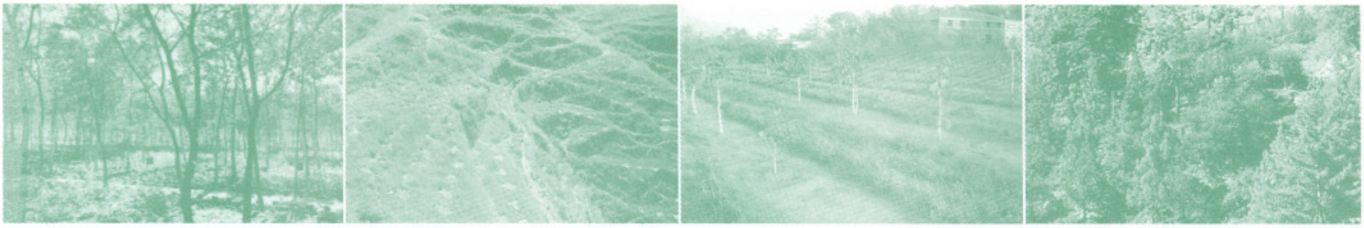

2. कपूर, के.एस.; सुब्रमणी, एस.पी. और जिश्तू, वनीत (2004) : मैडिसिनल प्लान्ट वैल्थ इन हाई एल्टिट्यूड्स इनक्लूडिंग कोल्ड डीसर्ट ऑफ वैस्टर्न हिमालयाज, दीयर टैक्सोनॉमी एण्ड डिस्ट्रिब्यूशन। "एडवान्सेज इन मैडिसिनल प्लान्ट्स" शीर्षक पुस्तक में प्रकाशनार्थ स्वीकार अध्याय। जिसे एशियन मैडिसिनल प्लान्ट्स एण्ड हैल्थ केयर ट्रस्ट केयर ट्रस्ट, जोधपुर द्वारा प्रकाशित किया जाएगा।

3. कपूर, के.एस.; वर्मा, आर.के. और रावत रंजीत, एस. (2004) : परफार्मेन्स ऑफ डिफरेन्ट प्रोवीनेन्सेज ऑफ पॉप्युलस सिलिएटा, वाल, एक्स, रायल इन कूल्लू वैली, हिमाचल प्रदेश, इंडियन जॉरनल ऑफ फॉरेस्ट्री, वाल्यू. 27(1) : 57–61 ।

4. कुमार, अशोक और परमाथमा, एम. (2005) : कोरीलेशन एण्ड पाथ कोइफीसिएन्ट स्टडीज इन कैज्वारिना इक्विसिटिफोलिया, एल. जाह्क्सन, इंडियन फॉरेस्टर, 131(1). 47–55 ।

5. कुमार, शैलेन्द्र; कुमार, सुरेन्द्र; कपूर, के.एस.; सिंह रंजीत और चक्रवर्ती, एस. (2004) : मॉर्टेलिटी ऑफ डैल्बर्जिया सिस्सू रॉक्सब, (शीशम) इन सुबाथु फॉरेस्ट रेंज ऑफ सोलन; हिमाचल प्रदेश; ए केश स्टडी। इंडियन फोरेस्टर, वाल्यू, 130 (3). 349–350 ।

6. पाण्डे, पी.के.; सिंह, जगदीश; मेशराम, पी.बी.; बनर्जी, एस.के. और पाल, मोहिन्दर (2004) : फीनोलॉजिकल स्टडीज आन ऐजैडिरैक्टा इंडिका ए.जस. (नीम) ऑफ सतपुड़ा एण्ड एंडजेसेन्ट एग्रो–क्लाइमेटिक जोन्स ऑफ मध्य प्रदेश (इंडिया). इंडियन फॉरेस्टर, वाल्यू. 130(3). 2004 ।

7. रावत, रंजीत, एस.; कपूर, के.एस. और वर्मा, आर.के. (2004) : सम इकोलॉजिकल कॉलेज ऑफ सीड्रस देवदारा डी.डौन मार्टेलिटी इन मनाली ऑफ हिमाचल हिमालयाज। जीओ. बायोज वाल्यू 31(4). 253–256 ।

8. शर्मा, एस.; कुमार, एस.; ठाकुर, के.एस. और नेगी, पी.एस. (2005) : इस्टिमेशन ऑफ वैरिएबिलिटी इन ब्रान्चिंग, प्रोडक्शन ऑफ वुडी कटिंग्स एण्ड रूटिंग्स ऑफ ब्रान्च कटिंग्स इन सलेक्टेड क्लोन्स ऑफ डैल्बर्जिया सिस्सू रॉक्सब.। "एग्रोफॉरेस्ट्री इन 21वीं सेन्चुरी" पुस्तक में, सम्पादक– एस.के. चौहान, एग्रोटैक पब्लिशिंग ऐकेडमी, उदयपुर, पी.पी. : 194–199।

9. शर्मा, एस.; नेगी. पी.एस.; ठाकुर, के.एस. और कुमार, एस. (2005) : स्टडिज़ ऑन वेजिटेटिव प्रोपेगेशन ऑफ कॉलूटीया नीपेलेन्सिस सिम्स थ्रो शूट कटिंग्सः ए पोटेन्शियल स्पीसिज फॉर कोल्ड डीसर्ट अफोरेस्टेशन। इंडियन फॉरेस्टर, 130(12). 1422–1431 ।

10. शर्मा, एस.; नेगी. पी.एस.; ठाकुर, के.एस. और कुमार, एस. (2004) : स्टडी आन जर्मिनेशन एण्ड लांजीविटी इन सीड्स ऑफ हिप्पोफी टिबताना स्कल्टर। इंडियन फॉरेस्टर, 130 (6).647–654 ।

11. सिंह, आर. (2004) : इमर्जिंग इन्सैक्ट पैस्ट प्रॉब्लम्स ऑफ ऐकेशिया निलोटिका (बबूल) एण्ड दीयर मैनेजमेन्ट। "शीशम एण्ड कीकर मॉर्टेलिटी एण्ड दीयर इम्प्रूवमेन्ट" में (सम्पा.– संजीव के. चौहान; एस.एस. गिल; एस.सी. शर्मा और रजनी चौहान); वानिकी एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना।

12. सिंह, आर.; सिंह, चरण; कपूर, के.एस. और मलिक, आर. आर. (2004) : इवेलूएशन ऑफ इन्सैक्टिसाइड्स अगेंस्ट डीफॉलिएटर्स ऑफ पॉप्युलस सिलिएटा इन हिमाचल प्रदेश। "एग्रोफोरेस्ट्री इन 21वीं सेन्चुरी" में, (सम्पादक– संजीव के चौहान; एस.एस. गिल; एस.सी. शर्मा और रजनी चौहान) एग्रोटैक पब्लिशिंग ऐकेडमी, उदयपुर, 341–344 ।

13. सिंह, रंजीत; सिंह, चरण; कपूर, के.एस.; और मलिक, आर.आर. (2004) : इवेलूएशन ऑफ इन्सैक्टिसाइड अगेंस्ट डीफॉलिएटर्स ऑफ पॉप्युलस सिलिएटा इन हिमाचल प्रदेश। इक्कीसवीं शताब्दी में कृषि वानिकी पर कार्यशाला की कार्यवाही एग्रोटैक पब्लिशिंग ऐकेडमी, उदयपुर : 341–344।

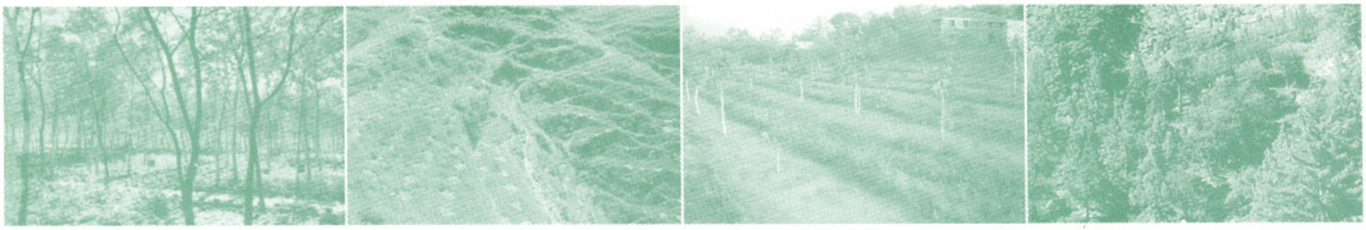

14. वर्मा, आर.के. (2004) : इवेलूएशन ऑफ बायोलॉजिकल डाइवर्सिटी एंड स्वॉन क्वालिटी अंडर प्लान्टेशन ऑफ डीग्रेडेड लैण्ड। इंडियन फॉरेस्टर, वाल्यू. 130 (7) : 791–799।

15. वर्मा, आर. के. और शदांगी, डी.के. (2004) : एनालीसिस ऑफ बायोलॉजिकल डाइवर्सिटी एंड स्वायल क्वालिटी अंडर एनाकार्डियम ऑक्सिडेन्टेली एंड एल्बिजिया प्रोसेरा प्लान्टेशन्स रेज्ड ऑन डीग्रेडेड लैण्ड। इंडियन जॉरनल ऑफ इकोलॉजी, 31 (1) : 54–57।

16. वर्मा, आर. के.; कपूर के.एल. और रावत, आर.एस. (2004) : परफॉर्मेन्स ऑफ डिफरेन्ट ट्री स्पीसिज अंडर लाइमस्टोन माइन–स्पॉयल : फॉरेस्ट स्वॉयल एंड फार्म यार्ड मैन्यूर बेस्ड पॉटिंग मीडिया इन नर्सरी। ऐनल्स ऑफ फॉरेस्ट्री, वाल्यू , 12(2) : 195 –200, 2004।

17. वर्मा, आर.के.; कपूर के.एस.; सुब्रमणी, एस.पी. और रावत, रंजीत, एस. (2004) : इवेलूएशन ऑफ प्लान्ट डाइवर्सिटी एंड स्वॉयल क्वालिटी अंडर प्लान्टेशन्स रेज्ड इन सर्फेस माइन्ड एरियाज। इंडियन जॉरनल ऑफ फॉरेस्ट्री, वाल्यू., 27 (2); 227–233।

18. वर्मा, आर. के.; सुब्रमणी, एस.पी. ; कपूर के.एस.; कुमार, सुरेन्द्र (2004) : स्टेटस ऑफ प्लान्ट डाइवर्सिटी अराउन्ड रेणुका वाइल्ड लाइफ सेन्चुरी, हिमाचल प्रदेश। एन्वायरमेन्ट एंड इकोलॉजी। वाल्यू. 23 (1) : 158–163।

वा.अ.मा.सं.वि.के., छिंदवाड़ा

1. मेशराम, पी.बी. (2004) : हैवी आउटब्रेक ऑफ व्हाइट ग्रब होलोट्राइकिया सीराटा फैब. ऑन सफेद मूसली क्लोरोफाइटम बोरिविलिएनम एस. ऐट सतपुड़ा प्लेट्यू। इंडियन फॉरेस्टर, 130(6): 707–708।

2. मेशराम, पी.बी. और विजयराघवन, ए. (2004) : ए न्यू रिपोर्ट ऑफ लीसीरया पुर्कासी मस्किल (हमिप्ट:मारगारोडिडा) रौज ए पैस्ट ऑफ प्लम्बेगो–जीलेनिका लिन.। इंडियन फॉरेस्टर, 130(5): 583–584 ।

3. सोनकर, एस.डी.; नन्देश्वर, डी.एल.; विजयराघवन, ए. और मेशराम, ममता (2004) : इवेलूएशन ऑफ बायोलॉजिकल डाइवर्सिटी अंडर दी प्लान्टेशन ऑफ डिफरेन्ट ट्री स्पीसिज़ इन डीग्रेडेड लैण्ड। नेचर एन्वायरमेन्ट एंड पॉल्यूशन टैक्नोलॉजी वाल्यू. 3, 391–396 ।

4. तिवारी, सी.के. और हर्ष, एन.एस.के. (2004) : बायोडीग्रेडेशन ऑफ सेलूलोज बाई वुड डीकेइंग फंगी। इंडियन फॉरेस्टर, वाल्यू. 130 (7): 805–810 ।

5. तिवारी, सी.के. और हर्ष, एन.एस.के (2005) : वुड डिकेइंग फंगी ऑफ टीक। इंडियन फॉरेस्टर, वाल्यू. 131(2): 215–221 ।

6. तिवारी, सी.के. और वर्मा, आर.के. (2004) : इफैक्ट ऑफ फंजीसाइड एण्ड प्लान्ट ग्रोथ हार्मोन्स ऑन जर्मिनेशन ऑफ टीक (टैक्टोना ग्रैन्डिस) जन. ट्राप. फॉरेस्ट साइं, 16(1): 25–44 ।

7. तिवारी, सी.के.; जमालुद्दीन और दुंगाना, एच.एन. (2004) : डिस्ट्रिब्यूशन ऑफ वुड डिकेइंग फंगी इन हल्दूगांव फॉरेस्ट डिविजन, लोवर असम। इंडियन फॉरेस्टर, वाल्यू. 130(6): 630–638 ।

8. तिवारी, सी.के.; मेशराम, पी.बी. और पात्रा, ए.के. (2004) : आर्टिफिसियल कल्टिवेशन ऑफ गेनोडर्मा लूसिडम, इंडियन फॉरेस्टर, 130(9): 1057–1059 ।

9. विजयराघवन, ए. (2005) : इनफ्लूएन्स ऑफ प्लान्ट स्पेसिंग ऑन हर्बेज यील्ड ऑफ पटचोली (पी. पटचोली) इन सेन्ट्रल इंडिया। माई फॉरेस्ट, वाल्यू. 40(3): 239–240 ।